चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 114, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 23 मई 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे व राहुल से मिलन पहुंचे नीतीश कुमार

विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश

नई दिल्ली: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचे। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और नीतीश कुमार के बीच विपक्षी एकता को लेकर बैठक जारी है। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल सहित जेडीयू के अध्यक्ष ललन सिंह भी मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को मजबूत करने के सिलसिले में लगातार अन्य दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में

भी मंच पर दिखाई दिये थे। इससे पहले नीतीश कुमार ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

चीन के खिलाफ मोदी सरकार को मजबूती से खड़े होने की जरूरत: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि चीन के खिलाफ मोदी सरकार को मजबूती से खड़े होने की जरूरत है। चीन लगातार हमारी सीमा में अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा है। इस मुद्दे पर मोदी सरकार को अतिरिक्त सावधानी रखने की जरूरत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देपसांग क्षेत्र में भारतीय गश्ती दल को तीन साल से भी अधिक समय से पेट्रोलिंग करने से रोका जा रहा है।

पहलवानों ने बृजभूषण की नार्को टेस्ट की चुनौती स्वीकारी

बजरंग पूनिया बोले- हम तैयार पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लाइव टेस्ट हो

नई दिल्ली: भाजपा सांसद और रेसलिंग फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की नार्को टेस्ट की चुनौती को रेसलर्स ने सोमवार को स्वीकार कर लिया। बजरंग पूनिया ने कहा कि हम सभी किसी भी टेस्ट के लिए तैयार हैं, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराया जाए। नार्को टेस्ट लाइव हो ताकि सवाल और जवाबों को पूरा देश सुने। बृजभूषण ने रविवार को कहा था कि मैं अपना नार्को टेस्ट, पॉलीग्राफी टेस्ट और लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं, मगर मेरी शर्त है कि मेरे साथ ही विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का भी यही टेस्ट होना चाहिए। वह मीडिया बुलाकर इसका ऐलान करें। रेसलर्स पिछले 30 दिनों से जंतर-मंतर पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ जांच और गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। कल यानी 23 मई को इंडिया गेट पर पहलवान कैंडल मार्च निकालेंगे।

बजरंग पूनिया ने कहा सुप्रीम कोर्ट इसमें संज्ञान लेते हुए अपनी निगरानी में नार्को टेस्ट करवाए। साथ भी नार्को टेस्ट लाइव होना चाहिए, ताकि पूरे देशवासियों को पता लग सके कि बृजभूषण से किस तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और उस पर उसका क्या जवाब मिल रहा है। बृजभूषण के 15 के मेडल वाले बयान पर कहा कि यह सिर्फ मेडल का ही नहीं बल्कि तिरंगे का भी अपमान है। क्योंकि जब हम मेडल जीतते हैं तो तिरंगे को सिर पर उठाकर चक्कर लगाते हैं। बजरंग ने कोच विनोद तोमर, जितेंद्र और धीरेंद्र का भी नार्को टेस्ट कराने की मांग की है। विनेश फोगाट ने भी कहा कि न केवल विनेश और बजरंग का नार्को टेस्ट होना चाहिए, बल्कि सभी सातों शिकायतकर्ता पीड़ित पहलवानों की भी टेस्ट होने चाहिए। जिसके लिए वे भी तैयार भी हैं। दोनों पक्षों के सवाल-जवाब की प्रक्रिया को देश के सामने लाइव दिखाया जाना चाहिए। बृजभूषण को मीडिया कर्मी इस तरह से न दिखाए कि वह कोई भी अच्छा इंसान हैं। उसकी नार्को टेस्ट के बयान को भी बहुत बड़ा चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। ऐसा प्रतीत करवाया जा रहा है कि उसने सामने से नार्को टेस्ट के लिए कहा हो, जबकि यह मांग हम 1 महीने से कर रहे हैं। साक्षी मलिक ने कहा कि इंडिया गेट पर कैंडल मार्च और नए संसद भवन में महिला महापंचायत में आने वाले लोगों को सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा परेशान न किया जाए। हम पहले दिन से ही शांतिपूर्वक तरीके से धरना कर रहे हैं। यह आगे भी शांतिपूर्वक ही जारी रहेगा। जब पत्रकारों ने साक्षी मलिक से पूछ कि नार्को टेस्ट के लिए बृजभूषण ने सिर्फ विनेश और बजरंग का ही नाम लिया है, आपका नहीं ? इसके जबाब में बजरंग पूनिया ने धन्यवाद कहते हुए पत्रकार वार्ता खत्म कर दी, साथ ही विनेश फोगाट ने कहा कि यह बृजभूषण से ही पूछ लेना।

दो हजार के नोट वापस लेने का मामला पहुंचा दिल्ली हाई कोर्ट

नाम व पहचान पत्र के बिना नोट जमा नहीं किए जाने की मांग की

नई दिल्ली। दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने का मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की गई है कि दो हजार रुपये के नोट बदलने वाले का नाम और पहचान पत्र लिये बिना ये नोट जमा नहीं किए जाने चाहिए ताकि काला धन रखने वालों की पहचान हो सके। याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि रिजर्व बैंक का नोटिफिकेशन संविधान की धारा 14 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि दो हजार रुपये के नोट को बिना किसी मांग पर्ची और पहचान प्रमाण के जमा करने की अनुमति देना मनमाना, तर्कहीन और भारत के संविधान की धारा 14 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि रिजर्व बैंक और भारतीय स्टेट को निर्देश दिया जाए कि दो हजार के नोट किसी अन्य बैंक खाते की बजाय संबंधित बैंक खातों में ही जमा किए जाएं, ताकि काला धन और आय से अधिक संपत्ति रखने वाले लोगों की पहचान की जा सके। याचिका में भ्रष्टाचार, बेनामी लेनदेन को खत्म करने और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए केंद्र को काले धन और आय से अधिक संपत्ति धारकों के खिलाफ उचित कदम उठाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

अडाणी ग्रुप के शेयरों में जोरदार तेजी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त एक्सपर्ट कमेटी की पॉजिटिव अंतरिम रिपोर्ट के कारण अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में आज लगातार दूसरे दिन जोरदार उछाल की स्थिति बनी रही।

आज हुई जोरदार खरीदारी के कारण ग्रुप की 10 कंपनियों में से 6 कंपनियों के शेयरों पर आज अपर सर्किट लग गया। इसके अलावा शेष 4 कंपनियों के शेयर भी जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट जारी होने के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई गिरावट के बाद आज पहली बार ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों में करीब 5 प्रतिशत

या उससे अधिक की तेजी का रुख बना रहा। दिन भर हुई खरीदारी के कारण अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा 18.92 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इस जोरदार तेजी के कारण इस कंपनी के शेयर उछल कर 2,326.10 रुपये के स्तर पर पहुंच कर बंद हुए। इसके अलावा अडाणी टोटल गैस, अडाणी विल्मर, अडाणी पावर, अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी के शेयरों पर आज अपर सर्किट लग गया।

शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई-ईडी की पूछताछ के खिलाफ की अपील; 350 करोड़ का है स्कैम

शिक्षक भर्ती घोटाला: अभिषेक बनर्जी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली: टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी हो गया है। अभिषेक ने शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई और ईडी को पूछताछ की अनुमति देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने 20 मई को अभिषेक से 9 घंटे पूछताछ की थी। पूछताछ के लिए जाते समय ही उन्होंने कहा था कि वे सुप्रीम कोर्ट

में अपील करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 26 मई तारीख तय की है। पूछताछ के बाद बाहर आकर अभिषेक ने कहा कि यह सीबीआई और मेरे समय की बर्बादी के अलावा कुछ नहीं है। हम दिल्ली के बॉसेस के पेट डॉग नहीं बनेंगे। इसलिए हमें टारगेट किया। नोटबंदी पर अभिषेक ने कहा अब वोटबंदी का जमाना है, नोटबंदी से कुछ नहीं होगा. 'वोटबंदी' 2024 में होगी...कर्नाटक के परिणाम 2024 में दोहराए जाएंगे।

2014 में हुआ था शिक्षक भर्ती घोटाला: बंगाल में हुआ यह घोटाला 2014 का है। तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली। प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी।

मिशन लाइफ: हर गांव में स्थापित किए जा सकते हैं जन जैव विविधता रजिस्टर

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। मिशन लाइफ के तहत हर गांव में जन जैव विविधता रजिस्टर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है। मुंबई में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित एक विशेष समारोह में भूपेन्द्र यादव ने कहा कि यदि हम अनावश्यक उपभोग को प्रोत्साहित करेंगे तो एक पृथ्वी पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में हमें विकास के साथ-साथ जैव विविधता के संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करना होगा। बाजरा के महत्व पर बोलते हुए यादव ने कहा कि बाजरा लोकल के लिए वोकल को बढ़ावा देता है। यह एक ऐसी फसल है जो भारतीय जलवायु और मिट्टी के अनुकूल है। सूखा प्रतिरोधी होने के साथ-साथ पोषण की कमी को कम करने के लिए बाजरा महत्वपूर्ण है। जैव विविधता बोर्ड ने बाजरा को विशेष महत्व दिया है।

श्रद्धा हत्याकांड: बेटी के शव का अवशेष देने की पिता ने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड मामले में श्रद्धा के पिता विकास वालकर की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। श्रद्धा के पिता ने अंतिम संस्कार करने के लिए अपनी बेटी के शव का अवशेष देने की मांग की है। आज इस मामले की सुनवाई कर रहे जज उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से सुनवाई टल गई। दरअसल, श्रद्धा के पिता विकास वालकर ने श्रद्धा के शरीर की मिली हड्डियों को उन्हें दिए जाने मांग की है, ताकि श्रद्धा का अंतिम संस्कार किया जा सके। श्रद्धा के पिता ने कहा है कि दिल्ली पुलिस को महरौली के जंगली इलाके से श्रद्धा के शरीर के 13 से 14 टुकड़े बरामद हुए हैं। उसने श्रद्धा के 35 टुकड़े किए थे। साकेत कोर्ट ने 9 मई को इस मामले के आरोपित आफताब के खिलाफ हत्या का आरोप तय कर दिया था। एडिशनल सेशंस जज मनीषा खुराना कक्कड़ ने आफताब पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 201 (सबूतों को नष्ट करने) के तहत आरोप तय किये। सुनवाई के दौरान आफताब ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार कर दिया था और ट्रायल का सामना करने की बात कही। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया था कि आफताब ने सोच समझकर इस घटना को अंजाम दिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य से पता चलता है कि श्रद्धा और आफताब का लिव-इन रिलेशन हिंसक था। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट

मणिपुर के इंफाल में फिर हिंसा, सेना बुलाई गई

कर्फ्यू लगा, बदमाशों ने खाली पड़े घरों में आग लगाई

इंफाल: मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को एक बार फिर हिंसा होने के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया। इंफाल के न्यू लम्बुलेन इलाके में बदमाशों ने खाली पड़े कुछ घरों में आग लगा दी। बताया गया है कि न्यू चेकॉन इलाके में एक लोकल मार्केट में जगह को लेकर विवाद हुआ। ये विवाद मैतई और कुकी समुदाय के बीच हुआ। इनमें मारपीट हुई। मामला धीरे-धीरे बढ़ गया, जिसके बाद आगजनी की खबरें सामने आई हैं। स्थिति पर नियंत्रण के लिए यहां पेरा मिलिट्री

फोर्स और सेना को बुला लिया गया है। फिलहाल इलाके में कर्फ्यू लगाया गया है। इससे पहले शाम चार बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई थी। बता दें कि 3 मई को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में हिंसा भड़क उठी थी। जिसके बाद 4 मई को यहां हालात काबू से बाहर हो गए थे। हालात पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार ने उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश दिया था। साथ ही सेना को भी सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। कुकी-नगा और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से शुरू हुई हिंसा में कुल 71 लोगों की मौत हो गई। करीब 230 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे और 1700 घरों को जला दिया गया था। हिंसा के बाद से ही यहां इंटरनेट बंद है। समय-समय पर कर्फ्यू में ढील दी जा रही है।

डॉक्यूमेंट्री को लेकर हाई कोर्ट का बीबीसी को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुजरात दंगों पर विवादित डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ दायर मानहानि के मामले पर सुनवाई करते हुए बीबीसी को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सचिन दत्ता ने इस मामले की अगली सुनवाई सितंबर में करने का आदेश दिया है। याचिका एनजीओ जस्टिस ऑन ट्रायल की ओर से दायर की गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री ने देश और न्यायपालिका, प्रधानमंत्री सहित पूरी व्यवस्था को बदनाम किया है।

टारगेट लिस्ट में सलमान खान और मूसेवाला का मैनेजर टॉप पर; अतीक-अशरफ मर्डर में आया नाम

एनआईए के सामने गैंगस्टर लॉरेंस ने किए बड़े खुलासे

अमृतसर: नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की कस्टडी में गैंगस्टर लॉरेंस ने कई बड़े खुलासे किए। उसने अपनी टॉप टारगेट लिस्ट को उजागर किया है। इस सूची में बॉलीवुड एक्टर सलमान खान और पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का मैनेजर शगनप्रीत भी शामिल हैं। इसके साथ ही लॉरेंस ने फंडिंग के तरीकों को भी बताया है। इतना ही नहीं, अतीक-अशरफ की हत्या में भी अब लॉरेंस का नाम जुड़ने लगा है। गौरतलब है कि हिरण के शिकार मामले के बाद से ही लॉरेंस लगातार सलमान खान को खुली चुनौतियां देता रहा है। इसके अलावा अपने सहयोग विक्रमजीत उर्फ विक्की मिड्डूखेड़ा मर्डर केस में लॉरेंस मूसेवाला के मैनेजर शगनप्रीत सिंह को मुख्य दोषी मानता है। यही कारण है कि

सलमान खान | लॉरेंस बिश्नोई | सिद्धू मूसेवाला

उसने सिद्धू मूसेवाला का भी कत्ल किया और शगनप्रीत सिंह भी उसकी टॉप लिस्ट में है। वहीं अब लॉरेंस का नाम यूपी के बाहुबली अतीक अहमद व अशरफ की हत्या में भी आ रहा है। दरअसल, जिस जिगाना पिस्टल से अतीक व अशरफ को गोलियां मारी गईं, वे अमेरिका से आई थी। लॉरेंस ने एनआईए को जानकारी दी है कि साल 2021 में उसने अमेरिका से गोल्डी बराड़ के जरिए गोगी गैंग को दो जिगाना पिस्टल दी थी।

जेल में बैठ करता है पैसे इकट्ठे: एनआईए को लॉरेंस ने बताया कि वह जेल में बैठ कर अपना नेटवर्क चला रहा था।

लॉरेंस ने बताया कि राजस्थान के भरतपुर, पंजाब के फरीदकोट और अन्य जेलों में रहते हुए उसने कभी राजस्थान के कारोबारियों, चंडीगढ़ के 10 क्लब मालिकों, अंबाला के मॉल मालिक, शराब कारोबारियों, दिल्ली और पंजाब के सटोरियों से करोड़ों रुपए इकट्ठे किए हैं।

11 जून को 'आप' भरेगी महारैली की हुंकार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी 11 जून को रामलीला मैदान में महारैली आयोजित करेगी। इस बाबत पार्टी ने सोमवार को दिल्लीवसियों से अपील कर भारी संख्या में रामलीला मैदान पहुंचने को कहा है।

यह रैली केंद्र सरकार की ओर से हाल में लाए गए उस अध्यादेश के खिलाफ है, जिसमें दिल्ली सरकार से तबादले और नियुक्ति के अधिकार छीन लिया गए हैं। रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महारैली के बारे में सोमवार को आप के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि जिस तरह से केंद्र सरकार ने संविधान का

मजाक बनाया है, यह महारैली उसके खिलाफ है। उन्होंने बताया कि जब हमारी सरकार बनी, तो तबादले और नियुक्ति के फैसले लेने के अधिकार हमारे पास थे। इसके बाद हमसे यह छीन लिया गया। हम इसके खिलाफ कोर्ट गए और आठ साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में फैसला दिया कि ट्रांसफर पोस्टिंग के मामले में दिल्ली सरकार को निर्णय लेने का अधिकार है।

खबर संक्षेप

एम्बुलेंस चालक व ईएमटी की लापरवाही से मरीज की मौत

आरोप : एम्बुलेंस चालक और ईएमटी ने पैसे मांग करते हुए जबरियन मरीज को स्ट्रेचर से नीचे धकेला

सिरसा। मेजा क्षेत्र में एंबुलेंस चालकों व ईएमटी की लापरवाही से मरीजों को सही समय पर इलाज न होने से समय से पहले मौत हो रही है। बता दें कि शनिवार रात्रि सोरांव गांव के बशीर अहमद की तबियत बिगड़ती देख परिजनों ने एंबुलेंस से संपर्क किया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस मरीज को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले गये जहां मरीज की हालत गंभीर देख डाक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।आरोप है कि इससे पहले ही एंबुलेंस चालक व ईएमटी ने पैसे की मांग करते हुए जबरियन मरीज को स्ट्रेचर से नीचे धकेल दिया, जिससे मरीज के सिर में गंभीर चोटे आ गई।परिजनों ने आनन-फानन में इलाज कराने गए परिजनों ने दूसरे एंबुलेंस से मरीज को लेकर जिला अस्पताल ले गए।जहां मरीज के सिर में चोट आने की वजह से हालत गंभीर बनी रही और अंत में मरीज का इंतकाल हो गया। एंबुलेंस चालक और ईएमटी की कार्यशैली से परिजन काफी आहत रहे।मृतक के बेटे अरमान बाबू ने मिट्टी को दफन करने के बाद एंबुलेंस कर्मियों की लापरवाही से हुई मौत के खिलाफ मुख्यमंत्री व सीएमओ से शिकायत करने की बात कही।

नैनी के कनैला मोहल्ले में दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट

बच्चों को लेकर हुआ था विवाद, गाड़ियां तोड़ी, महिला की चेन छीनी, घर पर किया पथराव

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली अंतर्गत कनैला मोहल्ले में एक परिवार के घर पर पड़ोसी मोहल्ले कांशी राम आवास योजना के डेढ़ दर्जन लड़कों ने हमला बोल दिया आरोप है कि कुंडी तोड़कर अंदर घुसे लड़कों ने घर में खड़ी स्कूटी को तोड़ दिया। ईट चलाकर दरवाजे, खिड़की तोड़ दिए बाहर निकली महिला के गले से सोने की चेन छीन ले गए और ₹5000 भी उठा ले गए। इस संबंध में पीड़ितों की तरफ से नैनी कोतवाली में लिखित तहरीर दी गई है। जिसमें आधा दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद आरोप लगाया गया है पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही हैमारपीट देखने को लेकर हुआ था विवाद यमुनानगर के नैनी कोतवाली अंतर्गत कनैला एडीए मोहल्ले में पाल और गणपत चौराहे के समीप रहने वाले संगम लाल के अनुसार उनका पोता सुमित कुमार और कुलदीप 21 मई की शाम को घर से सामान खरीदने के लिए बाजार जा रहे थे। कांशीराम आवास योजना के समीप लड़कों के दो गुटों में मारपीट हो

रही थी वहीं वह दोनों लड़के खड़े होकर मारपीट देखने लगे। जिसमें से एक गुट ने उन लड़कों को देखा तो दोनों को दौड़ा लिया वह लड़के वहां से भागकर चले घर चले आए उसके बाद रात में 12:45 बजे से लेकर 1:30 के बीच में 15 से 20 की संख्या में लड़के लाठी डंडा तमंचा लेकर मोहल्ले में आए और संगम लाल के मेन गेट की कुंडी तोड़कर अंदर घुस गए। घर में खड़ी स्कूटी,

बाइक व अन्य सामान तोड़ दिया। उनकी बहू ममता देवी और बेटा रमाकांत व रामवृक्ष बाहर निकले तो उन पर हमला किया गया। उन पर ईट चलाई गई जिसमें उनके पोते सुमित का सिर फट गया। ममता के गले से सोने की चेन और कमरे में रखे ₹5000 भी हमलावर उठा ले गए अंदर से घरवालों ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तब तक हमलावर भाग चुर्क थे। उसके

बाद 22 मई को संगम लाल ने नैनी कोतवाली में कांशी राम आवास योजना में रहने वाले साहिल, पिंट्र पासी, रिंकू पासी, सूरज, नन्हा औरन अज्ञात के खिलाफ नामजद तहरीर दी इंस्पेक्टर नैनी बृजेश सिंह का कहना है कि लड़कों के दो गुटों में मारपीट हुई थी। उसी खुन्नस में एक पक्ष के लड़के दूसरे के घर पर रात में ही पत्थर चलाए हैं शिकायती पत्र आया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी को मारपीट में कई घायल चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

इत्तेफाकन सोमवार को घर के बुजुर्ग की मौत हो जाने पर आरोप लगाया गया कि चोट से मौत हुई जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आई स्वाभाविक मौत

मऊआइमा। मऊआइमा के उमरिया बादल उर्फ गेंदा में रविवार को शाम के समय जमीनी विवाद को लेकर फडोसियों से मार पीट हुई कुछ घायल भी हुए पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज भी कर लिया । इत्तेफाकन बुजुर्ग की मौत पर परिजनों ने चोट से मौत की बात कही तो पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तो स्वभाविक मौत आयी। बावजूद इसके शव घर के पास सडक पर रख कर हत्या का मुकदमा दर्ज करने पर एंव गिरफ्तारी की मांग पर घंटों से अडे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया बादल उर्फ गेंदा निवासनीय राम कली पत्नी दूधनाथ का आरोप है कि जमीनी विवाद को लेकर पडोसी परिजनों को मारे पीटे । तथा गालियां दी और जान से मारने की धमकी दिए। राम कली ने मऊआइमा थाने में बीती रात अरूण कुमार, मनोज कुमार, छोटई, वीरू के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी थी।सोमवार को इत्तेफाकन रामकली के ससुर ढंगू 75 वर्ष पुत्र कल्लू की मौत हो गई तो परिजनों ने चोट के कारण मौत की बात कहने लगे जबकि तहरीर में वृद्ध ढंगू को चोटें की बात नहीं लिखी थी। तब भी पुलिस ने ढंगू 75वर्ष के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया तो रिपोर्ट में यह बात आयी कि मृतक ढंगू की मौत दोनों गुर्दों के फेल हो जाने से स्वभाविक मौत हुई है । फिर भी परिजन विपक्षियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने एंव गिरफ्तारी की मांग पर घंटों से अडे हुए हैं।

कभी भी हो सकता है बड़ी घटना अधिकारी बेपरवाह !

विद्युत पोल को लेकर व्यापारियों ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

नैनी। व्यापार मंडल की एक बैठक हनुमान नगर में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता महामंत्री व भाजपा नेता घनश्याम जायसवाल ने की घनश्याम जायसवाल ने कहा कि नैनी क्षेत्र के हनुमान नगर स्टेशन रोड समीप नगर निगम का विद्युत पोल काफी दिनों से छतिग्रस्त है जिसकी शिकायत कई बार जोनल अधिकारी से की गई लेकिन इसके बावजूद अभी तक पोल की मरम्मत नहीं की गई। घनश्याम जायसवाल ने कहा कि ट्रक निकासी के कारण अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गया था, जिससे सड़क से ही विद्युत पोल आधा से ज्यादा उखड़ गया है और नीचे की ओर घुस गया है। जिससे क्षेत्र में किसी भी समय अप्रिय घटना घट सकती है। व्यापारी नेता घनश्याम जायसवाल ने कहा कि अगर जल्द समस्या का

निवारण किया नहीं किया तो नैनी जोनल का घेराव करेंगे।मुख्य लोगों में प्रदीप तिवारी,विनोद जायसवाल, सुरेश केसरवानी वीरेंद्र तिवारी अशोक अग्रवाल राम जयसवाल माधव विश्वकर्मा फूल चंद केसरवानी आदि लोग बैठक में उपस्थित रहे।

डांस को लेकर चले लाठी डंडे, एक बराती की मौत

मेजा। मेजा थाना अंतर्गत रामचंद का पूरा, पंजइला में आर्केस्ट्रा डांस को लेकर बराती घराती भिड़ गए। इस दौरान लाठी-डंडों से हुए हमले में घायल बराती पंचम लाल भारतीया (55) की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य जख्मी हो गए। इनमें एक धर्मेंद्र (30) की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में आठ लोगों पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।मेजा थाना अंतर्गत अमिलिया कला का जयकुमार होमगार्ड है जो वर्तमान में मेजा थाने में तैनात है। शनिवार को उसके बेटे कुलदीप की शादी थी। बरात मेजा में ही रामचंद का पूरा, पंजइला गांव में रहने वाले राजेंद्र भारतीय के घर गई थी। द्वारचार के बाद खाना- पीना हुआ और फिर विवाह की रस्में होने लगीं। बरात में आर्केस्ट्रा का भी इंतजाम था, ऐसे में बराती डांस देखने लगे। वहां घराती पक्ष के कुछ लोग पहले से मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान डांस को लेकर बराती व घराती पक्ष में विवाद हो गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ी कि वहां लाठी-डंडे चलने लगे। सरेराह मारपीट से वहां भगदड़ मच गई। शोरगुल पर घरवाले भागकर पहुंचे और किसी तरह मामला शांत कराया। हालांकि तब तक बराती पक्ष से पंचम लाल व धर्मेंद्र के अलावा दूल्हे का सगा चाचा होमगार्ड सुभाष (45) व अमृत लाल (50) चोटिल हो चुके थे। सभी को पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देख धर्मेंद्र को रेफर कर दिया गया। उधर इलाज के दौरान रविवार शाम पंचम लाल ने दम तोड़ दिया। सूचना पर मेजा थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा मय फोर्स पहुंचकर जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच में जुटे।

निरंतर उजड़ रहे आरक्षित पर्वतीय वन पर्वत

अखंड भारत संदेश

सरकार हर साल करोड़ों का कराती है पौधरोपण, राष्ट्रीय उत्पाद तेंदू के वृक्ष, अवैध कटान से हो रहे विलुप्त,बीड़ी उद्योग को लग रहा झटका, वन निगम की आय प्रभावित

प्रयागराज। सरकार एक तरफ हर वर्ष हरित क्रांति एवं वन पर्यावरण के हितार्थ वृक्ष रोपड कराती है। वन महोत्सव मनाए जाते है,सामाजिक वानिकी प्रभाग के अतिरिक्त आरक्षित पर्वतीय वनों,बाग बगीचों की सुरक्षा के लिए भरी संख्या में वन कर्मी अफसर तैनात करती है किंतु निरंतर सुंदर रमणीक वनों से प्राकृतिक ढंग से उगे वन वृक्ष पौधे और औषधीय वृक्ष झंखाड़ राष्ट्रीय उत्पाद तेंदू पत्ते जैसे तमाम कीमती राष्ट्रीय धरोहर अवैध खनन की शिकार होती जा रही हैं। जिससे सरकार और राष्ट्रीय संपदा की अपूर्णनीय कुछ हो रही है। प्रयागराज वन प्रभाग के यूपी एमपी बॉर्डर के आरक्षित पर्वतीय वनों में चोरी छिपे लकड़ हारों द्वारा तेंदू, आंवला, हर सिंगार उर्फ सिहोरी, फिटकरी, डगडऊआ, केकड़, सिद्ध, महुलाइन, परसिध, बांस, कोहा, खैर आदि प्रजाति से सुसज्जित जंगलात आंखों देखते देखते सफा चट होते जा रहे हैं। इसी तरह उक्त पर्वतीय सुंदर प्राकृतिक वनों पहाड़ों को पूर्व में पत्थर की कथित लीज के आंड में राष्ट्रीय संपदा की तबाही की किंतु अब अवैध खदाने तो बंद हैं लेकिन चोरी छिपे वन अपराधी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। इसके दस साल पूर्व जो वनों का स्वरूप था कि हर प्रजाति के वृक्ष थे किंतु अब निरंतर कटानों से कीमती पेड़ पौधे और राष्ट्रीय उत्पाद तेंदू पत्ते साफ होते जा रहे हैं। जिससे हर साल मई माह में होने वाला तेंदू पत्ता उत्पादन लक्ष्य से निरंतर नीचे चला जा रहा और उत्पादन जीरो की तरफ बढ़ रहा है। और निगम को घाटा हो रहा है। प्रश्न यह है कि सरकार वनों की रक्षा के लिए भारी भरकम वन सुरक्षा बल,कर्मी तैनात किया है,ये सब क्या कार्यवाही करते हैं। वनों की सुरक्षा के वाचर,वन प्रहरी के ऊपर के कर्म चारी गैर जिले आदि के होने चाहिए। साथ ही कुदरत के दिए वन वृक्ष पौधे उसे सुरक्षित रखे जाने चाहिए। अन्यथा हर साल पेड़ लगवाने से क्या फायदा। इसके अतिरिक्त वनों में जनमानस की आवाजाही, अवैध कतानों आदि के चलते वन भूमि पर अवैध कब्जों के चलते शेर, भालू, हिरण, लकड़बाघा और राष्ट्रीय मोर वन चिरैया,वन मुर्गी, खरगोश, शाही, धनेश, तितर आदि परिंदों का भी पलायन होता जा रहा है। या खात्मा हो रहा है। सियार भूखे प्यासे गांवों की तरफ डेरा डाले हुए रात दिन हुक्का हुआ करते रहते हैं। और बे मौत मर भी रहे। यूपी एमपी बॉर्डर के आरक्षित पर्वतीय वनों की भी समुचित रूप से सुरक्षा नहीं हो पा रही है जिससे अवैध खनन और वन वृक्ष के सफाए होते जा रहे हैं। इस बाबत प्रमुख मुख्य वन संरक्षक भोपाल मध्य प्रदेश से भी कुछ माह पूर्व स्थानीय वन पर्यावरण प्रेमी सामाजिक कार्य करता ने अवगत कराया था। किंतु रीवा वन संभाग के वन अफसरों ने ध्यान नहीं दिया जिससे वन सफाचट होते जा रहे हैं।

अमेठी समाचार

जिलाधिकारी ने किया पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

पात्र लाभार्थियों को शत प्रतिशत योजना से कराएं आच्छादित

अमेठी। जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि शासन द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की शादी हेतु धनराशि रू0 20 हजार प्रति लाभार्थी प्रदान किया जाता है। उक्त योजना से लाभान्वित होने के लिए आवेदक को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के वेबसाइट पर उसी वित्तीय वर्ष में शादी से 90 दिन पूर्व अथवा 90 दिन बाद आवेदन किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आवेदक की वार्षिक आय रुपए 46080 ग्रामीण क्षेत्र में एवं

रुपए 56460 शहरी क्षेत्र हेतु शासन द्वारा निर्धारित है, तहसील द्वारा निर्गत ऑनलाइन जाति प्रमाण पत्र, पुत्री की शादी की तिथि को 18 वर्ष से अधिक आयु, पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला अथवा विकलांग आवेदकों को वरीयता प्रदान की जाती है। एक परिवार से अधिकतम दो पुत्रों की शादी अनुदान अनुमन्य है, आवेदन पत्र में आवेदक का आधार कार्ड, शादी का कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, वर एवं कन्या का उम्र प्रमाण पत्र, आय एवं जाति प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। शादी अनुदान योजना अंतर्गत अबतक अन्य पिछड़े वर्ग के कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 09 आवेदन पत्रों को पीएफएसएस द्वारा स्वीकृत तथा 4 आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें योजना से आच्छादित कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, जिला विकास अधिकारी तेजभान सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एफएसएसएआई लाइसेंस न मिलने पर हुआ शराब व्यवसाई पर मुकदमा

अमेठी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शराब व्यवसाईयों पर अब खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अंतर्गत कार्यवाही करना प्रारम्भ कर दिया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ कुमार ने गौरीगंज स्थित आकाश सिंह की शराब की दुकान का निरीक्षण किया, मौके पर बिना एफएसएसएआई लाइसेंस के कारोबार करने पर आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ०प्र०, लखनऊ से अभियोजन सहमति लेकर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम- 2006 की धारा-31 अंतर्गत मुकदमा दायर किया गया है। जनपद में देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा बियर की लगभग 200 से अधिक दुकाने हैं जिन्हें आबकारी विभाग से आपूर्ति लाइसेंस जारी किया गया है किन्तु शराब विक्रय हेतु आवश्यक एफएसएसएआई लाइसेंस लिए बगैर कई कारोबारियों द्वारा कारोबार किया जा रहा है। पिछले साल कुछ कारोबारियों ने त्रररअक लाइसेंस लिया था किन्तु कई कारोबारियों द्वारा समय से रिन्यूअल नहीं कराया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा ऐसे सभी कारोबारियों को चिन्हित कर अब मुकदमे की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है। बिना लाइसेंस के कारोबार करने पर 6 माह के कारावास एवं 5 लाख तक के अर्थदंड का प्रविधान है।

न्यूज झरोखा

भागवत कथा श्रवण करने से मनुष्य को परमानंद की प्राप्ति होती है : डॉ रामानंद महाराज

प्रतापपुर। बरेस्ताकला गांव में भाजपा नेता श्याम बिहारी पांडेय के निवास पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ सोमवार से हुआ। प्रथम दिवस कलश यात्रा, कलश स्थापना वेदी पूजन के पश्चात श्रीमद्भागवत महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कथा व्यास श्रीधाम वृंदावन से पधारे डॉ रामानंद महाराज ने संगीतमय कथा में कहा कि इस कलयुग में मनुष्य अपने भावों को सत्संग के जरिए ही स्थिर रख सकता है सत्संग के बिना विवेक उत्पन्न नहीं हो सकता और बिना सौभाग्य के सत्संग सुलभ नहीं हो सकता।श्रीमद्भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से मनुष्य के सात जन्मों के पाप धुल जाते हैं।धुंधकारी चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आत्मसात कर लें तो जीवन से सारी उलझने समाप्त हो जाएंगी। महाराज ने कहा कि भगवान की लीला अपरंपार है वे अपनी लीलाओं के माध्यम से मनुष्य व देवताओं के धमार्नुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं भागवत कथा में जीवन का सार तत्व मौजूद है आवश्यकता है निर्मल मन ओर स्थिर चित्त के साथ कथा श्रवण करने की। कुलगुरु आचार्य बरमदीन तिवारी एवं प्रयागराज के वैदिक विद्वानों द्वारा मंडप पूजन आदि विधि विधान से कराया गया।इस अवसर पर आचार्य धीरज द्विवेदी याज्ञिक, आचार्य संतोष चतुवेर्दी, आलोक पांडेय, कृष्णबिहारी पांडेय, चंद्रविहारी पांडेय, कुंज बिहारी पांडेय, अजित कुमार पांडेय, विनय दुबे, मोनू पांडेय, प्रदीप पांडेय, अमित पांडेय, जनार्दन पांडेय, प्रमोद श्रीवास्तव सहित आदि बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

विकास खण्ड सहसों में नए बीडीओ ने संभाला पदभार

सहसों। विकास खण्ड सहसों में सोमवार को मऊआइमा ब्लॉक से स्थानांतरित होकर आए नवागंतुक खण्ड विकास अधिकारी श्याम नारायण चतुवेर्दी ने ससम्मान कार्यभार ग्रहण किया। सहसों में कार्यरत रहे बीडीओ संजीव रत्न का स्थानांतरण बहरिया ब्लॉक में हो जाने से कुर्सी खाली हो गई थी। जिससे रिक्त पद पर खण्ड विकास अधिकारी सहसों के रूप में श्याम नारायण चतुवेर्दी ने कार्यभार संभालते हुए ब्लॉक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचयात्मक एवं शिष्टाचार मुलाकातक की। इस दौरान एडीओ पंचायत नरेंद्र दूबे, विजय कुमार गौतम, अशोक पाल, विजय बहादुर, राजन, आदि नवागंतुक अधिकारी का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए उपस्थित रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गौरीगंज में एक दिवसीय निशुल्क रोजगार मेले का किया गया आयोजन

अमेठी। सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गौरीगंज में एक दिवसीय निशुल्क रोजगार मेला एवं कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें निजी क्षेत्र की कुल 4 कंपनियों ने प्रतिभाग किया जिनके द्वारा कुल 31 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। रोजगार मेले में प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई गौरीगंज आरके अग्निहोत्री, कार्यदेशक अजय कुमार सिंह मौजूद रहे।

प्रख्यात साहित्यकार ऊषा शर्मा ने संस्था के कार्यों से प्रेरित होकर वीडियो के माध्यम से भेजा शुभकामना संदेश

अखंड भारत संदेश

बाजार शुक्ल अमेठी। अपनी निस्वार्थ भावना एवं कुशल कार्यशैली से समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे ग्राम पंचायत भटमऊ बाजार शुक्ल अमेठी निवासी समाजसेवी एवं कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक पी के तिवारी जो कि यथासंभव सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेल, शिक्षा, कृषि एवं चिकित्सा संबंधी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देते रहते हैं और प्रबुद्ध जनों से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं जिससे समाज उन्हें सम्मानित दृष्टि से देखता है संस्था के कार्यों से प्रेरित

होकर देश विदेश से वीडियो के माध्यम से शुभकामना संदेश आ रहे हैं जिससे संस्था को एक नई ऊर्जा प्राप्त हो रही है वहीं उसी क्रम में दिल्ली निवासिनी सुप्रसिद्ध साहित्यकारा ऊषा शर्मा ने अपने वीडियो के माध्यम से संस्था द्वारा कराए जा रहे सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेल, शिक्षा, एवं चिकित्सा संबंधी सेवाओं की सराहना करते हुए प्रशंसा की और कहा कि समाजसेवी पी के तिवारी भैया जो कि संस्था के प्रबंधक हैं अपनी कुशल कार्यशैली से संस्था के माध्यम से बहुत ही उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं जो कि समाज के प्रति गौरवपूर्ण है, वहीं समाजसेवी पी के तिवारी ने कहा कि वह प्रबुद्ध जनों के सहयोग, मार्गदर्शन, एवं उत्साहवर्धन से भविष्य में और भी बेहतर से बेहतरीन करने की कोशिश करेंगे और समाज के प्रति समर्पित रहेंगे।। संस्था प्रबंधक ने साहित्यकारा ऊषा शर्मा का हार्दिक आभार व्यक्त किया और संस्था के लिए गौरव पूर्ण पल बताया।

संगम में गंगा में 5 दिन में समा गई 6 जिंदगियां

सतना के तीन युवक नहाते समय गहरे पानी में डूबे एक को बचाया गया, दो की तलाश जारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। के संगम में सोमवार सुबह स्नान करते समय दो युवक गहराई में चले गए। मध्य प्रदेश के सतना से आए तीन लड़के डूबे थे। एक को तो जल पुलिस की टीम ने बचा लिया। दो की तलाश में जल पुलिस और गोताखोरों की टीम लगी हुई है, लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है गंगा में डूबने वालों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है बीते 5 दिनों में 6 लोग गंगा की गहराई में समा चुके है पहली घटना शिवकुटी को कोटेश्वर महादेव घाट पर एमएनआईटी के 2 छात्र डूरब गए थे। उसके बाद 20 मई को फाफामऊ घाट पर गुरुकुल मांटेसरी स्कूल के 12वीं के 2 छात्रों की गंगा में डूबने से मौत हो गई थी आज 22 मई को सतना के दो युवक गंगा में समा गए।

नगर निगम में सफाई कर्मचारी के रिश्तेदार हैं दोनों : लड़के प्रयागराज के संगम जल पुलिस प्रभारी कड़ेदीन यादव ने बताया कि नगर निगम सफाई कर्मचारी बबलू के दो रिश्तेदार प्रयागराज आए हुए थे। आज सुबह बबलू दोनों रिश्तेदारों आदित्य कुमार (21) पुत्र नन्हे लाल और गोविंद कुमार (19) पुत्र कामता प्रसाद को गंगा में स्नान कराने ले गया था। संगम स्नान के दौरान तीनों साइड में करीब 300 मीटर अंदर संगम में चले गए। बैरिकेडिंग लगी होने के बावजूद उसे पार करके तीनों लड़के गहराई में नहाने गए थे। जल पुलिस के लोग वहां मंजूद थे। वह लोग मना कर रहे थे, लेकिन तीनों माने नहीं बैरिकेडिंग डाक कर स्नान करते समय डूब गए थे तीनों, एक को बचाया गया पुलिस ने बताया कि गहराई में जाने की वजह से जब तीनों डुबने लगे तो लोगों ने शोर मचाया। शोर सुनकर

घाट पर मौजूद जल पुलिस की टीम बचाने दौडे : बबलू को तो जल पुलिस वालों ने पकड़ लिया और बाहर निकाल लिया। जिससे उसकी जान बच गई लेकिन आदित्य और गोविंद गहरे पानी में समा गए। उन्हें बचाया नहीं जा सका। पता चलने पर जल पुलिस प्रभारी इंस्पेक्टर कड़ेदीन यादव, दारागंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। गोताखोर और जल पुलिस की टीम गंगा में संगम में हूबे दोनों लड़कों की तलाश में जुटी हुई है इंस्पेक्टर जेल पुलिस कड़ेदीन यादव ने बताया कि दोनों लड़कों के घरवालों को सूचित कर दिया गया है। दोनों लड़के रिश्तेदार के यहां आए थे। वहां से संगम स्नान करते समय डूब गए। जालौर कटिया डालकर दोनों की खोजबीन कराई जा रही है। गुरुकुल माउंटेन श्री स्कूल में पढ़ते थे दोनों छात्र, दोस्तों के साथ क्रकेट खेलने के बाद गए थे गंगा नहाने फाफामऊ थाना क्षेत्र के शांतिपुरम स्थित गुरुकुल मांटेसरी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र अमन द्विवेदी (16) और कृष्णा मिश्रा (17) शनिवार सुबह 8:00 बजे के करीब अपने पांच दोस्तों सार्थक, धूरुव, अजीत, आदर्श व अभिन्न के साथ फाफामऊ कछार के पास बने मैदान में क्रिकेट खेलने गए थे। मैच के होने के बाद सभी गंगा स्नान करने के लिए फाफामऊ पुल के नीचे बने घाट पर चले गए। नहाने के दौरान पांच अन्य साथी तो बाहर निकल आए, लेकिन रमन व कृष्णा नहाते ही रह गए और दोनों डूब गए 18 मई को कोटेश्वर घाट पर गंगा में डूब गए थे एमएनएनआईटी के दो छात्र प्रयागराज के शिवकुटी थाना अंतर्गत कोटेश्वर महादेव मंदिर घाट पर स्नान करते वक्त एमएनएनआईटी, तेलियरगंज में पढ़ने वाले दो छात्र विकास मौर्य और दीपेंद्र सिंह डूरब गए थे। विकास की लाश 19 मई और दीपेंद्र की लाश 20 मई को मिली थी।

लीकेज से प्रतिदिन हो रहा सैकड़ो लीटर पानी बर्बाद, लो प्रेशर की भी है समस्या

झूंसी। जल निगम की पाइप में लीकेज की वजह से प्रति दिन सैकड़ो लीटर पानी बर्बाद हो रहा। लीकेज की वजह से ग्रामीणो के सामने लो प्रेशर की भी समस्या बनी हुई है शिकायत के बाद भी लीकेज दुरुस्त नही किया गया। भीषण गर्मी में जहाँ लोगो के सामने पानी की किल्लत उत्पन्न होने लगी है वही बहादुरपुर विकास खंड के कोटवा गांव में जगह जगह लीकेज की समस्या से प्रतिदिन सैकड़ो लीटर पीने का पानी बर्बाद हो रहा है। गांव के ही आमोद सिंह ने बताया कि जमुनीपुर जाने वाली मेन पाइप में झूठी ताली तिराहे के पास करीब छह महीने से लीकेज है। इस वजह से पीने का पानी व्यर्थ हो रहा है शिकायत के बाद भी विभाग इस ओर ध्यान नही दिया। वही अंदावा से जौनपुर मार्ग पर काफी समय से मालवा बुजुर्ग एवं सहसो में जल निगम की पाइप में लीकेज की वजह से पानी तो बर्बाद हो ही रहा रहा साथ मे सड़क पर जानलेवा गड्ढा भी बन गया था। समाजसेवी धनंजय मिश्रा के प्रयास पर रविवार को पाइप लाइन को दुरस्त कराया गया। मोटर के बिना नही मिलता पानी : कोटवा में पांच दशक पहले जलनिगम की टंकी का निर्माण कराया गया था। जिसको भरने के लिए दो टीयूबेल लगे थे। जिससे बहादुरपुर विकास खंड के दर्जनों गांवों में पीने का पानी उपलब्ध कराया जाता था। अब यह टंकी सफेद हाथी के समान हो गई है। जिससे कोटवा गांव में ही पानी की सप्लाई नही हो पा रहे है। ग्रामीणों के सामने लो प्रेशर की सब से बड़ी समस्या है लोग मोटर लगा कर पीने का पानी भर रहे है।

तालाबों का संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी : सांसद रीता जोशी

अखंड भारत संदेश

सांसद ने ग्राम पंचायत जूही में अमृत सरोवर का किया लोकार्पण

शंकरगढ़। जिले का पहला अमृत सरोवर आम जन के हवाले कर दिया गया। सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने विकास खंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत जूही में नवनिर्मित अमृत सरोवर का फीता काटा। अमृत सरोवर का लोकार्पण करने पहुंचीं प्रयागराज सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने कहा, यह तालाब इस गांव के साथ-साथ अन्य गांवों के लिए भी आदर्श बन सकता है, बशर्ते इसको साफ-सुथरा रखा जाए और मुझे पूरा भरोसा है कि यह जिम्मेदारी यहां के लोग बखूबी निभाएंगे। सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा-तालाब और कुएं भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पहचान रहे हैं। इन तालाबों का संरक्षण और सृजन हमारी नैतिक जिम्मेदारी होने के साथ-साथ समय की मांग भी है। उन्होंने ग्रामीणों से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने की अपील की। जूही में बने अमृत सरोवर के चारों तरफ बैठने के लिए सीमेंटेड चेयर बनाई गई है। सुबह-शाम लोग यहां बैठकर ताजी हवा का आनंद ले सकते हैं। सांसद ने अमृत सरोवर के निर्माण केलिए ग्राम प्रधान की तारीफ की। कहा कि क्षेत्र में विकास में धन आड़े नहीं आएगा, उनके दरवाजे हमेशा क्षेत्रवासियों के लिए खुले हैं। ग्राम प्रधान ग्राम दिनेश कुमार मिश्र ने प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी का स्वागत किया। सांसद ने अमृत सरोवर पर विद्युत व्यवस्था की जल्द से जल्द लगवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी रामाशंकर शंकर मिश्र ने किया। इस दौरान सांसद ने संभ्रांत नागरिकों को सम्मान पत्र भी वितरित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने सांसद से यहां पर लाइटिंग शो, फाउंटेन और झूले लगवाने की मांग की। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी रामविलास राय,एडीओ पंचायत प्रेमचंद्र सिंह,सांसद प्रतिनिधि संत प्रसाद पांडेय, पूर्व प्रधान महेंद्र शुक्ला,मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल,सचिव आशुतोष जौहरी,पूर्व चेयरमैन अनुपमा वैश्य,सुधा गुप्ता,नेहा सिंह,ज्योति कनौजिया, हेमराज सिंह, राजेश सिंह, रामकैलाश मिश्र, नरेंद्र कुमार मिश्र, राहुल मिश्र आदि मौजूद रहे।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन की हालत नाजुक

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के गदामार के नजदीक देर शाम हुआ हादसा

शंकरगढ़। यमुनानगर के शंकरगढ़-भड़िवार-जवा (मध्य प्रदेश) मार्ग पर देर शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार चार लोग घायल हो गए, जिसमें वृद्ध समेत तीन लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी शंकरगढ़ पहुंचाया,जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायलों को प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नौढ़िया उपरहार के रहने वाले फूलचंद्र (45) पुत्र श्रीनिवास अपनी पत्नी आशा देवी (42) को साथ लेकर बाइक से शंकरगढ़ की तरफ जा रहे थे। देर शाम तकरीबन आठ बजे जैसे ही वह गदामार के समीप पहुंचे, सामने से आ रहे एक अन्य बाइक सवार से आमने-सामने टक्कर हो गई। यह हादसा इतना तेज था, दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं और बाइक सवार दंपति के अलावा सामने वाली बाइक पर सवार दोनों लोग सड़क पर गिरकर कराहने लगे। हादसे की जानकारी होते ही आसपास के लोगों व राहगीरों ने 108 एंबुलेसं के साथ-साथ पुलिस को भी सूचना दी। खबर लगते ही शंकरगढ़ थाने के एसआई ऋतुराज सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी भेजा। बताया जाता है कि बाइक सवार दंपति फूलचंद्र (45) और आशा देवी (42) को गंभीर चोटें आई हैं। फूलचंद्र की जांघ में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि आशा के सिर व चेहरे पर चोट आई है। जबकि दूसरी बाइक के सवार सुजीत (20) पुत्र कालिका (निवासी भड़िवार) और रामसनेही (70) पुत्र स्व. चंद्रोदय सिंह (निवासी कुबरी) भी घायल हुए हैं। सुजीत के शरीर में मल्टीपल कई जगह से फ्रैक्चर बताया जा रहा है। रामसनेही भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। रात नौ बजे तक तीनों गंभीर घायलों को इलाहाबाद रेफर किए जाने की तैयारी चल रही थी।

नैनी : नए यमुना पुल पर बाइक स्टंट का वीडियो आया सामने

ब्रिज पर 6 बाइक सवार लड़के कर रहे खतर नाक स्टंट, शिकायत के बाद जांच के आदेश

अखंड भारत संदेश

नैनी। नए यमुना पुल पर बाइक स्टेंट का वीडियो आया सामने गाने का बोल मुझे कुछ पल फुर्सत के चाहत के रहे बेचैन दिल कब तक मुझे चैन मिले चाहत के इस गाने पर खतरनाक स्टंट करते हुए प्रयागराज ट्रैफिक पुलिस ने वीडियो क्रिएटर वर्णिका चौधरी का ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के प्रकरण में 15500 का चालान काटकर भले ही या संदेश दिया हो कि यातायात नियमों का पालन न करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा लेकिन ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाना अभी रूका नहीं है नैनी नए यमुना ब्रिज पर बाइक से स्टंट करके रील बनाने वाले किस तरह से ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, यह सोशल मीड़िया पर वायरल वीडियो में स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है इंस्टाग्राम के जरिए इसकी शिकायत प्रयागराज पुलिस कमिश्नर, जिला अधिकारी, डीजीपी उत्तर प्रदेश समेत जिले और प्रदेश के तमाम आला अधिकारियों से की गई है। जिसके बाद प्रयागराज पुलिस कमिश्नर की तरफ वीडियो के जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है रील देखने में बहुत ज्यादा खतरनाक नए यमुना ब्रिज पर आधा दर्जन बाइक सवार लड़के बाइक से स्टंट करते हुए रील बनाते है और सोशल मीडिया पर डालते हैं। ये रील देखने से इतने खतरनाक लग रहे हैं कि देखने वालों की जान हलक में आ जाती है बाइक स्टंट रील बनाने वालों का बकायदा फेसबुक और इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट है आकाश राइडर4 के नाम से इंस्टा पर बने एकाउंट में बाइक स्टंट के कई वीडियो डाले गए हैं शिकायत चार दिन पहले की गई थी इनमे से नए यमुना पुल पर चलती बाइक से उतर कर स्टंट करने का वीडियो इंस्टाग्राम के अपना प्रयागराज ऑफिसियल एकाउंट पर शेयर करते हुए प्रयागराज पुलिस कमिश्नर, डीजीपी उत्तर प्रदेश, डीएम समेत कई आला अधिकारियों को टैंग कर ऐसे खतरनाक स्टंट करने वाले के खिलाफ चार दिन पहले कार्रवाई करने की गुजारिश एक इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। यह शिकायत चार दिन पहले की गई थी जिसमें प्रयागराज पुलिस कमिश्वर के पीआर सेल की तरफ से बताया गया है कि संबंधित अधिकारी को वीडियो भेजकर जांच करने और कार्रवाई करने को कह दिया गया है।

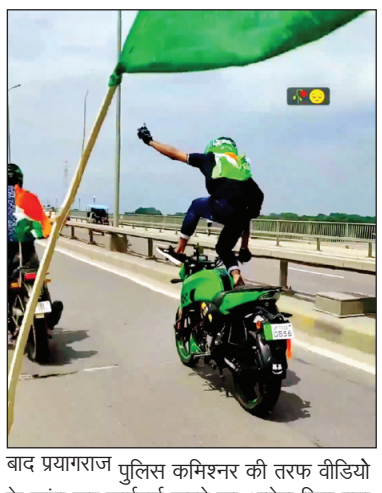

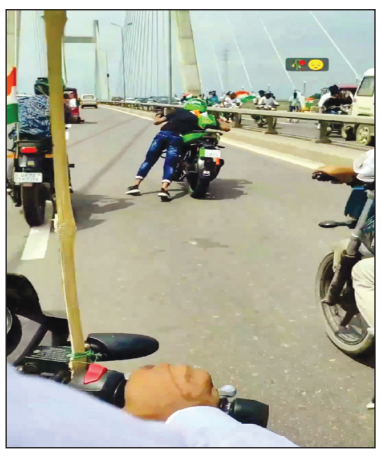

फ्रांसीसी कंपनी तीन महीने में बदलेगी नए यमुना सेतु की बेयरिंग, एक जून से शुरू होगा काम

प्रयागराज। जर्मन तकनीक पर आधारित देश के गिनती के केबल पुलों में शुमार नैनी के नए यमुना सेतु की क्षतिग्रस्त बेयरिंग और ज्वाइंट एक्सपेंशन को बदलने का काम एक जून से आरंभ होगा। क्षतिग्रस्त एक्सपेंशन ज्वाइंट बदलने में तीन महीने का समय लगने का अनुमान है। इस पुल के पिलर नंबर 15-ए के एक्सपेंशन ज्वाइंट की प्लेट बीते वर्ष 12 जुलाई को भारी वाहनों के दबाव की वजह टूट गई थी।मिजार्पुर रोड और रीवा रोड के अलावा चित्रकूट-बांदा की ओर से आने वाले वाहनों का इस सेतु पर दबाव रहता है। इन मार्गों के वाहनों को प्रयागराज में प्रवेश के लिए दूसरा कोई वैकल्पिक रूट नहीं है। इसलिए एनएचएआई की ओर से रूट डायवर्जन न करने का निर्णय लिया गया है।नैनी से प्रयागराज आते समय आखिरी ज्वाइंट एक्सपेंशन की प्लेट जहां टूटी है, वहां सिर्फ ढाई मीटर का अस्थायी घेरा बनाकर मरम्मत कराई जाएगी। ताकि यातायात प्रभावित न होने पाए। हालांकि क्षतिग्रस्त हिस्से में बैरिकेडिंग लगाए जाने से वहा रास्ता संकरा हो गया है। इससे मिजार्पुर और रीवा रोड से आने वाले लोगों को जाम का सामना करना पड़ सकता है।

वर्ष 2004 में नए यमुना पुल का निर्माण कराया गया था। 1.6 किमी लंबे पुल का निर्माण हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी और जर्मनी की हुंडई इंजीनियरिंग ने संयुक्त रूप से किया था। अफसरों के मुताबिक फोर लेन नया यमुना सेतु आधुनिक डिजाइन के कारण हर किसी को आकर्षित करता है। इसमें कंक्रीट से बने दो पिलर हैं, जो स्टील केबलों के सहारे इस पुल की छत को सहारा देते हैं। केबल के सहारे टिके इस पुल से मिजार्पुर, मध्य प्रदेश की ओर प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं।

न्यूज झरोखा

कम्पोजिट विद्यालय पावन में समर कैंप का समापन

प्रयागराज। कौड़िहार द्वितीय के कम्पोजिट विद्यालय भवन में आज समर कैंप का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, मसूद अहमद एवं एआरपी प्रभा शंकर शर्मा व अवनीश सिंह के साथ-साथ विद्यालय के अध्यापक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने समर कैंप के दौरान सीखे गए वेलकम सॉन्ग पेपर वर्क, क्ले मॉडलिंग, नृत्य एवं अन्य रचनात्मक कौशलों का प्रदर्शन किया। खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्र ने समर कैंप चलाने वाले अध्यापकों को प्रमाण पत्र देते हुए सम्मानित किया। इस अवसर पर स्टार छात्र-छात्रा को भी सम्मानित किया गया। पावन में समर कैंप संचालित करने वाले शिक्षकों में अनीता उपाध्याय, रीता गुप्ता, आकांक्षा सिंह, रुखसाना अहमद, मधु राय, मंजू देवी, प्रीति विमल, हसीबा सरवत, जहरा हबीब, विभा कुमारी व किरणमाला आदि रही। समापन समारोह में चंद्रप्रकाश सिंह व नफीस अहमद भी उपस्थित रहे। एआरपी प्रभा शंकर शर्मा ने समर कैंप संचालन हेतु समस्त शिक्षिकाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सतर्कता और जानकारी से ही रोके जा सकते हैं हादसे : महंथू

करछना। सोमवार को करछना तहसील क्षेत्र के पनासा में श्रीं संतोष पेट्रोलियम पर फायर उपकरणों की जानकारी दी गई बताया कि किसी भी संस्थान में कर्मचारियों की सतर्कता और जानकारी से ही आज की बड़ी घटनाओं को आसानी से रोका जा सकता है। तुरंत के लिए गए सही निर्णय सभी के लिए वरदान साबित होते हैं। उक्त बातें नैनी से आए फायर अधिकारी महंथू ने सोमवार को श्री संतोष पैट्रोलियम पनासा में कही। वह भारत पंप के पेट्रोल पंप पर कर्मचारियों को फायर उपकरण की जानकारी देने पहुंचे थे। इस दौरान श्री संतोष पेट्रोलियम पनासा में कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन सिलिंडर से आपातकाल स्थिति में आग बुझाने के तरीके बताए गए। नैनी से आए फायर अधिकारी महंथू ने कहा कि सतर्कता से ही सुरक्षा संभव है। पेट्रोल पंप पर आग से जुड़े सामानों का प्रयोग न करें। इस दौरान नीरज यादव, उदय पटेल, सत्यम यादव, विवेक पाल, गणेश बिंद, आनंद पटेल, ननका पाल आदि मौजूद रहे।

देशी तमंचा के साथ एक गिरफ्तार

मेजा। मेजा पुलिस द्वारा सोमवार अवैध देशी तमंचा के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।प्रभारी निरीक्षक मेजा ज्ञानेश्वर मिश्र ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर चौकी प्रभारी जेवनिया उ0नि0 प्रदीप कुमार अस्थाना ,उ0नि0 दिनेश कुमार पाण्डेय,हे0का0 इसरार अहमद और का0 अनुराग यादव टीम ने चंदापुर भभौरा थाना क्षेत्र मेजा से अभियुक्त रंजीत भारतीया पुत्र रामचरण नि0 चंदापुर भभौरा को 1 नाजायज तमंचा .315 बोर व 02 जिंदा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त बरामदगी/गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना मेजा में मु0अ0सं0 195/23 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

लावारिस के शव को मिला अनजान वारिसों का कंधा, गोबर की लकड़ी से किया गया अंतिम संस्कार

प्रयागराज। हरे पेड़ों की अंधाधुंध कटान से बिगड़ते पर्यावरण की चिंताओं को दूर करने के लिए संगमनगरी में पहली बार गोबर की लकड़ी से लावारिस शव का अंतिम संस्कार कर नई शुरूआत की गई। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो आने वाले समय में शवों के साथ पेड़ नहीं जलेंगे। चिताओं पर लड़कियों के धुएं और राख से पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होगा। गोबर की लकड़ी से अंतिम संस्कार की पहल शनिवार को सत्यकाम संस्था की ओर से की गई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने वाली इस संस्था की ओर से पर्यावरणविद डॉ. योगेंद्र सक्सेना की मदद ली गई। भोपाल में योगेंद्र पर्यावरण संरक्षण के लिए गोबर की लकड़ी से अंतिम संस्कार के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। इससे प्रभावित होकर सत्यकाम संस्था ने यहां भी उसी प्रयोग को अपनाने की कोशिश की है।संस्था की अध्यक्ष वंदना द्विवेदी ने एसआरएन के मोर्चरी के प्रभारी डॉ. दिलीप सिंह से संपर्क कर लावारिस शव का गोबर की लकड़ी से अंतिम संस्कार कराने का आग्रह किया था। शनिवार को करछना में रेलवे ट्रैक पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जब भेजा,तब मोर्चरी के प्रभारी ने इसकी जानकारी सत्यकाम संस्था के पदाधिकारियों को दी। पोस्टमार्टम के बाद सत्यकाम संस्था के पदाधिकारियों और मोर्चरी के कर्मियों ने शव को कंधा दिया।शव को लेकर वह दारागंज घाट पर पहुंचे। वहां शाम 3:30 बजे पौने दो कुंतल गोबर की लकड़ी से लावारिस शव का अंतिम संस्कार किया गया। वंदना का कहना था कि यह शुरूआत आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। वह बताती हैं कि जिले में जल्द ही गोबर की लकड़ी से अंतिम संस्कार कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मिसाल कायम की जा सके।

पुरानी पेंशन के लिए कर्मचारियों ने भरी हुंकार

अखंड भारत संदेश

सैदाबाद। पुरानी पेंशन आंदोलन की बहाली के लिए आंदोलन कर रहे कर्मचारी पूरे प्रदेश में जन जागरूकता और पुरानी पेंशन देने की मांग पूरी करने के लिए पुरानी पेंशन विजय रथ यात्रा निकाल रहे हैं। यह रथयात्रा कानपुर से चलकर कौशांबी से होते हुए आज जनपद प्रयागराज में प्रवेश किया। जहां हजारों शिक्षक कर्मचारी, रेलवेकर्मी रथ यात्रा में सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ पूरे शहर में अपनी आवाज बुलंद किया। विभिन्न यूनियन के कर्मचारी रेलकर्मी शिक्षक इस आंदोलन में शामिल हुए। रथ यात्रा रेलवे कार्यालय, शिक्षा निदेशालय, गवर्नमेंट प्रेस, जिला पंचायत कार्यालय पर भी गई। जहां पर उपस्थित कर्मचारियों ने रथ यात्रा में शामिल लोगों का भव्य स्वागत किया गया। विकासखंड सादाबाद में भी रथ का भव्य स्वागत प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश द्विवेदी की अगुवाई में किया गया। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों का एक वाजिब हक है जिसे उन्हें हर हाल में देना चाहिए। कर्मचारी अपनी इस मांग के लिए किसी भी हद तक आंदोलन करेंगे ।अपनी यह मांग सरकार से पूरी करवा कर रहेंगे ।जिला उपाध्यक्ष/ ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रेश कुमार तिवारी ने कहा कि चरणबद्ध आंदोलन संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में चल रहा है जिसे कर्मचारियों सहित जनमानस का भी अपार समर्थन मिल रहा है। स्वागत करने वालों में उत्तर विदेशी जूनियर शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष राम जी संतोषी प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक मंत्री विनोद भारतीय संतोष मिश्रा पुंडरीक त्रिपाठी नैनेश मिश्रा मीडिया प्रभारी राहुल मिश्रा अनंत बहादुर सिंह सुधाकर मिश्रा कुवर बहादुर सिंह शैलेंद्र शुक्ला उमाशंकर भारतीय आलोक श्रीवास्तव सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रतापगढ़ संदेश

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में मारा चाकू, अफरा-तफरी

हमलावर निकला दुष्कर्म पीड़िता का भाई, गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आज सोमवार को जिला कचहरी में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जेल से पुलिस अभिरक्षा में पेषी पर आए एक दुष्कर्म के आरोपी को चाकू मारकर बुरी तरह से घायल कर दिया गया। बताया जाता है कि हमलावर दुष्कर्म पीड़िता युवती का भाई है जिसने चाकू मारा है, जिसे पकड़कर अधिवक्ताओं ने पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना के बारे में बताया जाता है कि जून 2020 से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद अटल बिहारी पुत्र राधेष्याम निवासी कांषीराम कालोनी, सरोज चैराहा को आज सोमवार को पूर्वान्ह में लगभग दस बजे न्यायालय में पेषी के लिये ले जाया गया था। जैसे ही यह आरोपी पुलिस के साथ न्यायालय की सीढ़ियों पर चढ़ा, इतने में ही दुष्कर्म पीड़िता का भाई प्रियांषू ने चाकू से दुष्कर्म के आरोपी पर हमला कर दिया जिससे वह लहूलुहान हो गया। हमलावर भागना चाहता था लेकिन अधिवक्ताओं ने प्रियांषू को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। न्यायालय परिसर में अचानक हुई चाकूबाजी से अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में अधिवक्ता व वादकारी जुट गये। चाकू से घायल अटल को मेडिकल कालेज में उपचार के लिये ले जाया गया है। दुष्कर्म के आरोपी व हाथ में चाकू लगा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस अभिरक्षा में चाकू से घायल दुष्कर्म का आरोपी।

दो घरों से बदमाशों ने आभूषण समेत उड़ाये नकदी, केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने एक ही रात में दो घरों में चोरी की घटनाओं को लेकर अज्ञात बदमाशो के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के धधुआ गाजन के वनपुकरा निवासी स्वर्गीय सुदामा के पुत्र हरिकेश बहादुर यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती उन्नीस मई की रात्रि अज्ञात चोर छत के रास्ते से घर के अंदर घुस आये। चोरों ने कमरे का ताला तोडकर छः हजार की नकदी समेत सोने व चांदी के जेवरात भी चोरी कर ले गये। चोरों ने इसी रात पडोस की मुन्ना यादव की पत्नी उषा के घर भी चोरी की घटना अंजाम दी। चोर पीडिता के घर से भी बाक्स का ताला तोडकर दस हजार नकद व महिलाओं के आभूषण चोरी कर ले गये। पुलिस का कहना है कि चोरी की दोनों घटनाओं को लेकर केस दर्ज किया गया है। शीघ्र ही खुलासा किया जाएगा।

मारपीट व तोडफोड की घटना मे दर्जन भर आरोपियों पर दर्ज हुआ क्रास केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना को लेकर दर्जन भर अपराधियों के खिलाफ गंभीर धाराओं मे क्रास केस दर्ज किया है। एक पक्ष की ओर से तहरीर के आधार पर चार नामजद के खिलाफ मारपीट तथा गालीगलौज व धमकी एवं दूसरे पक्ष की तहरीर के आधार पर आधा दर्जन नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास व बलवा तथा घर मे घुसकर तोडफोड समेत गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। लालगंज के पूरे इच्छाराम के कमरा निवासी एक पक्ष के श्रीनाथ सरोज के पुत्र उमेश कुमार सरोज ने तहरीर मे कहा है कि गांव के रामदेव सरोज की पत्नी उषा देवी तथा पुत्र धीरज व पुत्री सरिता एवं अनीता तथा अजय व तेज बहादुर भेभौरा गांव के दो अज्ञात आरोपियो के साथ जमीनी रंजिश को लेकर हमलावर हो उठे। आरोपियो ने लोहे के सब्बल से हमला करते हुए उसकी पत्नी मंजू व पुत्री मोहिनी को मारपीट कर चुटहिल कर दिया। हमले मे चोट अधिक लगने से मंजू व मोहिनी बेहोश हो गयीं। आरोपियो ने घर मे घुसकर गृहस्थी के सामान मे तोडफोड करते हुए गाली गलौज के साथ जानलेवा धमकी दी। पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से भी तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ मारपीट तथा धमकी का केस दर्ज किया है। लालगंज के पूरे इच्छाराम निवासी रामदेव सरोज की पत्नी उषा देवी ने दी गई तहरीर मे कहा है कि दस मई को सुबह आठ बजे नाली विवाद को लेकर विपक्षी उसके दरवाजे आ धमके। विपक्षी गांव के श्रीनाथ के पुत्र उमेश तथा रमेश की पत्नी मंजू, भुलई के पुत्र गुडडू तथा भुलई की पत्नी गिरिजा ने पीडिता को मां बहन की गाली देते हुए लाठी डंडे से मारापीटा। शोर मचाने पर आरोपी गाली देते हुए जानलेवा धमकी देने लगे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दो वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद महेशगंज उप निरीक्षक दीपक कुमार यादव अपने हम राही के साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0 अ0 सं0-220/14 धारा 2/3 लोक सम्पति क्षति निवारण अधिनियम से संबंधित अभियुक्त मनोज कुर्मा पुत्र श्रीराम यादव व संतोष यादव पुत्र श्रीराम यादव निवासी ग्राम माघी चैनगढ़ थाना महेशगंज प्रतापगढ़ को उसके घर से गिरफ्तार किया जिसकी लिखा पढ़ी करके न्यायालय भेज दिया।

रिटायर्ड शिक्षक हरिकेश के निधन पर प्रमोद व मोना हुए दुःखी

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के रामअंजोर मिश्र इण्टर कालेज के सेवानिवृत्त नागरिक शास्त्र प्रवक्ता एवं डभियार नौबस्ता निवासी हरिकेश बहादुर श्रीवास्तव 85 का इलाज के दौरान निधन होने की जानकारी पर यहां शोक छा गया। हरिकेश बहादुर घर की गोशाला में चाराजोई करने गये थे। अचानक गाय के मार देने से वह चुटहिल हो गये। इलाज के दौरान प्रयागराज के एक अस्पताल में उनका शनिवार को निधन हो गया। जानकारी होने पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने दुख जताते हुए उनके शैक्षिक योगदान को अविस्मरणीय कहा। पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय, प्रधानाचार्य सुनील कुमार शुक्ल, अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, रामप्रकाश मिश्र, ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव, रमाकान्त तिवारी, शुभम श्रीवास्तव, आशुतोष मिश्र आदि ने भी हरिकेश श्रीवास्तव के निधन पर संवेदना जतायी है।

आईजी प्रयागराज ने एसपी कार्यालय का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आईजी प्रयागराज रेंज चंद्र प्रकाश ने प्रतापगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल आईजी को एसपी ऑफिस के अभिलेखों को चेक करवाया।

इस दौरान आईजी ने सीओ सिटी सीओ सदर एवं अपर पुलिस अधीक्षक के ऑफिस का भी औचक निरीक्षण किया। एसपी कार्यालय समेत अपर पुलिस अधीक्षक एवं सीओ के कार्यालय व आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑफिस को देखकर आईजी प्रसन्न नजर आए। इस दौरान आईजी के औचक निरीक्षण से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा रहा।

एसपी कार्यालय का निरीक्षण करते आईजी चंद्र प्रकाश।

पड़ोसी ने घर में घुसकर युवक को असलहे के बट से किया हमला

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रंजिश के कारण पड़ोसी आरोपियों ने अपनी दबंगई दिखाते हुए घर में घुस गए और महिलाओं को मारने पीटने लगे विरोध करने पर युवक को असलहे की बट से मारकर जख्मी कर दिया। पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। कोतवाली क्षेत्र के गोविंदपुर गांव का रहने वाला सुरेंद्र वर्मा पुत्र लालजी ने बताया कि उसके गांव के कुछ लोग उससे रंजिश रखते हैं। बीती रात उसके घर में घुसकर चार लोग महिलाओं के साथ छेड़खानी करने लगे और घर का सामान तोड़ने लगे। सुरेंद्र ने जब इसका विरोध किया तो असलहे की बट से उसके सिर पर हमला बोल दिया जिससे उसे काफी चोटें आई।

महिला के पैसे नहीं लौटा रहे हैं दबंग

पट्टी, प्रतापगढ़। इलाज के नाम पर पैसे मांग कर ठगी करने वाले गांव के दो लोगों को महिला ने दया करके पैसा दे दिया मांगने पर आरोपी मारपीट करने पर उतारू हो रहे हैं। पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गदौरी गांव की रहने वाली राजकली ने बताया कि कुछ दिन पहले महोखरी गांव के रहने वाले दो लोगों ने इलाज के नाम पर मांगे थे। महिला ने दया करके उन्हें 32000 रुपये दे दिया। अब पैसा देने में इंकार कर रहे हैं तथा मांगने पर मारपीट करने पर उतारू हो रहे हैं। पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

रास्ते के विवाद में बुजुर्ग महिला की पीटकर निर्मम हत्या

घर में मचा कोहराम, आरोपी फरार, पुलिस जांच में जुटी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रास्ते के विवाद के चलते एक बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई जिसके बाद सूचना पाकर मौका ए वारदात पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हत्या से गांव में हड़कंप मचा हुआ है

मामला अंतू कोतवाली इलाके के सेतापुर बिहार गंज का है जहां रास्ते के विवाद के चलते आज दबंगों द्वारा कमला देवी (70 वर्ष) के घर पर चढ़कर उन्हें लाठी और डंडे से पीट-पीटकर मार डाला गया, बताया जा रहा है कि काफी दिनों से रास्ते का विवाद पड़ोसियों के साथ चल रहा था और आज पड़ोसी दबंग जब निर्माण करने लगे तो इसका विरोध करने के लिए बुजुर्ग महिला पहुंची थी। जिसके बाद आज पड़ोसी दबंगों ने घर पर धावा बोल दिया और बुजुर्ग महिला की लाठी और डंडों से पिटाई कर दी गंभीर हालत में बुजुर्ग महिला कमला देवी को प्रतापगढ़ जिला मेडिकल कॉलेज लाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया वहीं घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और आरोपी गढ़ फरार हैं पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद अब आगे की विधिक कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं।

बुजुर्ग महिला की हत्या पर अस्पताल परिसर में रोते-बिलखते परिजन

लापरवाही पर दो लेखपालों पर निलंबन की गाज, एक अटैच

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सरकारी कामकाज मे लापरवाही तथा शिथिलता को लेकर तहसील के दो लेखपालों पर निलंबन की गाज गिरी है। वहीं एक लेखपाल को भी तहसीलदार कार्यालय सम्बद्ध किये जाने का फरमान सुनाया गया है।

एसडीएम उदयभान सिंह ने तहसील क्षेत्र के अजगरा क्षेत्र मे तैनात लेखपाल सूर्यप्रकाश मिश्र व ढिगौसी मे तैनात लेखपाल अवधेश कुमार सरोज को सरकारी कामकाज मे लापरवाही तथा त्रुटिपूर्ण आख्या देने एवं शिथिलता को लेकर निलंबित किये जाने का फरमान सुनाया है। नाराज एसडीएम ने पूरे भगवत क्षेत्र मे तैनात लेखपाल बृजलाल के खिलाफ लगातार जनशिकायतों को देखते हुए उन्हें तहसीलदार कार्यालय सम्बद्ध किये जाने का आदेश निर्गत किया है। दो लेखपालों के निलंबन तथा एक लेखपाल के सम्बद्धीकरण के आदेश की सोमवार को जानकारी होते ही तहसील में हडकंप मच गया। एसडीएम उदयभान सिंह ने राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों को आगाह किया है कि सरकारी कामकाज में ढिलाई तथा विवादों के निस्तारण में मौके पर न पहुंचने की शिकायतें मिलने पर कडे प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे।

यातायात विभाग ने 633 लोगों का किया चालान, 7.56 लाख जुमार्ना, पांच बसें व 17 विक्रम टेम्पो का हुआ चालान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। यातायात व परिवहन विभाग ने जिले में शासन के निर्देश पर अभियान चला रखा है। पहले अभियान में अभी तक 633 लोगों का चालान कर 7.56 लाख का जुमार्ना ठोंका गया है तथा मौके पर 15 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया है। यह जानकारी देते हुए यातायात प्रभारी नागेन्द्र सिंह ने बताया कि शासन के निर्देष पर यातायात अभियान चलाया जा रहा है।

पहला अभियान 17 मई से 26 मई तक चलेगा जिसमें हाई सिक्योरिटी प्लेट, तीन सवारी, नाबालिग बच्चों द्वारा ड्राइविंग तथा हेलमेट न लगाने पर चालान किया जाएगा। दूसरा अभियान 27 मई से 31 मई तक चलेगा जिसमें अवैध अड्डों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। प्राइवेट वाहन अड्डों के लिये स्थान चिन्हित कर दिये गये हैं। अभी तक आरटीओ के सहयोग से पांच बसों व 17 विक्रम टेम्पो का चालान किया गया है। यातायात प्रभारी नागेन्द्र सिंह का यह भी कहना है कि पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल विषेष रुचि ले रहे हैं तथा जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने भी अवैध वाहन अड्डों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देष दिये थे। यातायात नियमों के पालन करने के लिये लोगों को जागरुक भी किया जा रहा है।

दुर्घटना में बाइक सवार की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। तीव्र गति से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दिया। दुर्घटना मे बाइक सवार अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गयी। मौत की जानकारी मृतक के घर पहुंची तो परिजनों मे कोहराम मच गया। लालगंज थाना के सराय जानमती निवासी रामऔतार का पुत्र बाबूलाल गौतम 60 सोमवार की सुबह डीजल लेने के लिए बाइक से बेलहा स्थित पेट्रोल टंकी जा रहा था। लालगंज कालाकांकर रोड पर मृतक कस्तूरबा गांधी स्कूल के सामने पहुंचा था कि लालगंज की तरफ से जा रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना मे कार व बाइक दोनों पलटा खा गयीं। बाइक सवार बाबूलाल को गंभीर चोटें आ गयी। एम्बुलेंस से घायल को लालगंज ट्रामा सेण्टर इलाज के लिए लाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर कार चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। जानकारी मिलने पर पुलिस ट्रामा सेण्टर पहुंची और मृतक के शव का पंचनामा कराकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया।

लड़खडाती अर्थव्यवस्था के लिए जिम्मेदार है मोदी सरकारः प्रमोद तिवारी

राज्यसभा सदस्य ने कैम्प कार्यालय पर की जनसुनवाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता, सांसद, स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था से लगातार खिलवाड़ कर अमीर गरीब के बीच और खाई बढ़ाते हुए सिर्फ पूंजीपतियों का हित साधने मे जुटी है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र की सरकार का सिर्फ चंद पूंजीपतियों के हित साधने की जिद के चलते आम जनता आर्थिक असमानता की पीड़ा झेलने को विवश है। सोमवार को रामपुर खास के एक दिवसीय दौरे पर लालगंज पहुंचे सांसद प्रमोद तिवारी कार्यकताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं राज्यसभा सदस्य ने कैम्प कार्यालय पर पहुंचे क्षेत्रीय लोगों की समस्याओं की भी सुनवाई की।

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने पार्टी कार्यकताओं से कहा कि वह जनता के बीच मंहगाई तथा बेरोजगारी के साथ भाजपा सरकार के द्वारा लगातार अर्थव्यवस्था पर पहुंचाई जा रही चोट को जनता से जुड़े मुददे के रूप में जोर शोर से उठाएं।

श्री तिवारी ने कहा कि बीजेपी सरकार एक बार फिर दो हजार के नोट वापस लेने का फैसला सिर्फ पूंजीपतियों के पास जमा कालेधन को बिचैलियेपन के माध्यम से व्हाइट मनी में तब्दील करने का खतरनाक अवसर ले आयी है। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी ने कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की भी सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से फोनिक वार्ता कर इनके निराकरण कराए जाने को कहा। श्री तिवारी ने रानीगंज कैथौला में भी क्षेत्रीय लोगों से मुलाकात कर विकास के मजबूत वातावरण बनाये रखने में अमन व सौहार्द पर जोर दिया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, आशीष उपाध्याय, छोटे लाल सरोज, शैलेन्द्र सिंह बघेल, बृजेश द्विवेदी, हरिपाल ओझा आदि रहे।

कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई करते राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी।

जीजीआईसी में हुई जनपद स्तरीय नेशनल योगा ओलंपियाड प्रतियोगिता, छात्राओं को योगा की दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में नेशनल योगा ओलंपियाड की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता डॉ ओपी राय जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ के निर्देश के क्रम में प्रभारी प्रधानाचार्य गीता के निर्देशन में एवं नोडल अधिकारी डॉ मोहम्मद अनीस के कुशल संयोजन में संपन्न हुई।

छात्र छात्राओं को योग का प्रशिक्षण देते हुए सिद्धार्थ कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र छात्राओं में योग को बढ़ावा देने के लिए एवं उन्हें अनुशासन पैदा करने के तथा बच्चों को करें योग रहें निरोग के उद्देश्य को लेकर यह प्रतियोगिता संपन्न कराई जा रही है। मुख्य अतिथि डॉ विंध्याचल सिंह प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बरहदा प्रतापगढ़ ने कहा कि छात्र-छात्राओं में अनुशासन एवं एकाग्रता पैदा करने के लिए एवं उनकी बुद्धि को कुशाग्र करने के लिए योगा प्रक्रिया बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य ने कहा कि इससे छात्र-छात्राओं में सुस्ती एवं आलस पन दूर होकर उन्हें पढ़ाई में एकाग्रता के साथ काम करने की क्षमता प्राप्त होती है। मंडल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता 25 मई 2023 को प्रयागराज में संपन्न होगी। जनपद से 2 छात्र और 2 छात्राओं का चयन किया गया,जिनके नाम कुमारी माधुरी साहू एवं करिश्मा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़,सुंदरम मिश्रा राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ एवं नमन सिंह केपी इंटर कॉलेज प्रतापगढ़। निर्णायक मंडल में सिद्धार्थ कुमार श्रीवास्तव, ममता सिंह, अशोक कुमार श्रीवास्तव आदि रहे। इस अवसर पर ममता सिंह, उमर जमील, अशोक श्रीवास्तव, राजेश यादव, अरुण तिवारी, अशफाक अली आदि उपस्थित रहे।

जीजीआईसी में आयोजित प्रतियोगिता में योगा करती छात्राएं।

अंसारगंज मुस्लिम बस्ती मे गंदगी व बदबू से बज बजा रही नाली

मुख्यमत्री पोर्टर पर की गई शिकायत पर नही हो रही सुनवाई

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत जनवामऊ के मजरे अंसारगंज मुस्लिम बस्ती मे गंदगी व बदबू से नालिया बज बजा रही है, जिसकी शिकायत ग्राम वासियो ने ग्राम प्रधान राम खेलवान पटेल से किया, लेकिन नतीजा शून्य निकला इसके बाद ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टर पर आन लाइन शिकायत दर्ज कराया, जिस पर कोई कार्रवाई नही हुई। इस पर शनिवार को आधा दर्जन ग्रामीण ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर पहुँचे जहां सहायक विकास अधिकारी संतोष कुमार शुक्ला को नाली की मरम्मत व सफाई कराने के लिए शिकायत पत्र दिया।

अधिवक्ता के उत्पीड़न के खिलाफ वकीलों ने जतायी नाराजगी, कामकाज का बहिष्कार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। साथी अधिवक्ता के परिजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने तथा पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर पर पुलिस द्वारा केस न दर्ज करने को लेकर वकीलों ने सोमवार को न्यायिक कामकाज का बहिष्कार किया। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने सीओ रामसूरत सोनकर से मिलकर इस बात पर नाराजगी जतायी कि अधिवक्ता के चुटहिल परिजनों का पुलिस द्वारा मेडिकल कराए जाने के बाद भी केस दर्ज नही किया जा रहा है। उदयपुर थाने के उदयपुर निवासी अधिवक्ता मोहित जायसवाल तथा गांव के प्रधान के बीच उन्नीस मई की रात विवाद हो गया था। गांव के प्रधान की तरफ से अधिवक्ता के परिवार के सदस्यो के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वहीं संघ के उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह व महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ला ने चेतावनी दी है कि अधिवक्ता की एफआईआर दर्ज न होने पर वकील सीओ कार्यालय तथा थाना मुख्यालय का घेराव करने को विवश होंगे। अधिवक्ताओं की हडताल के चलते दीवानी तथा तहसील में न्यायिक कामकाज बाधित दिखा। इस मौके पर शैलेन्द्र सिंह बघेल, संदीप सिंह, राम मोहन सिंह, संतोष पाण्डेय, विपिन शुक्ल, प्रमोद सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

वार्ड में नालियों की सफाई ना होने से हो रही परेशानी

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर के वार्ड नंबर 2 में साफ सफाई ना होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड नंबर 2 में बनी हुई नाली में पॉलिथीन तथा ढेर सारे कागज पड़े हुए हैं जिससे नाली का पानी सुचारु रुप से निकल नहीं पाता है। भले ही सरकार साफ-सफाई को लेकर स्वच्छ भारत अभियान तथा तमाम प्रकार के दावे कर रही हो लेकिन सच्चाई उससे अलग ही है नगर के वार्ड नंबर 2 में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वार्ड नंबर 2 में बनी हुई नाली पूरी तरीके से जाम है जिसमें पानी का बहाव नही हो पाता है और लोगों को परेशानी होती है जिससे लोग गंदगी में रहने के लिए मजबूर है।

खबर संक्षेप

चेकिंग के दौरान कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्नथानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले 170 वाहनों का ई-चालान किया गया, तीन वाहनों से 1500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया तथा 10 वाहनों को सीज किया गया।

वांछित अभियुक्ता गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त सावित्री देवी पत्नी लवलेश कुमार निवासी लाटपुर थाना कोखराज को फकीर बक्स का पुरवा से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्ता को न्यायालय भेज दिया है।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त नथन पासी पुत्र रामऔतार उर्फ रद्दी पासी निवासी रामपुर धमावा थाना सैनी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

मजदूरी मांगने गए मजदूरों को भाजपा ब्लाक प्रमुख पति और समर्थकों ने बेरहमी से पीटा

अखंड भारत संदेश

जनपद मुख्यालय के एक अस्पताल में मजदूरों को बंद कर बेरहमी से पीटे जाने की चहुँओर और हो रही है निंदा

पीड़ित मजदूर

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के जिला अस्पताल के पास ओसा रोड में एक अस्पताल में मजदूरी मांगने गए मजदूरों को बंद करके बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है सिराथू ब्लॉक प्रमुख के पति और उनके समर्थकों ने मजदूरी मांगने पर भट्ठा मजदूरों को अस्पताल परिसर में दिनदहाड़े बेरहमी से पीटा है मजदूरों को पीटे जाने का यह मामला मंझनपुर कोतवाली पुलिस के पास पहुंचा है पुलिस ने ब्लाक प्रमुख पति को भी थाने बुलाया है देर शाम तक मजदूरों का जमावड़ा मंझनपुर कोतवाली में लगा रहा लेकिन खबर लिखे जाने तक ब्लाक प्रमुख पति और उनके समर्थकों पर पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है बड़े नेताओं का फोन ब्लाक प्रमुख पति के बचाव में घनघनाने लगे हैं जिससे मामले में सुलह समझौते का प्रयास पुलिस ने शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक करारी कोतवाली क्षेत्र के अमुरा गांव निवासी प्रवेश पुत्र श्री राम ने सिराथू ब्लाक प्रमुख के पति लव-कुश मौर्या के ईट भट्ठा में उनके निर्देशन में दर्जनों मजदूरों के साथ 3 महीने से काम किया है मजदूर प्रवेश कुमार का कहना है कि 12 मजदूरों को काम करने का ठेका दो लाख रुपए महीने में लव-कुश मौर्य ने दिया था 3 महीना काम करने के बाद उनकी बकाया रकम 2 लाख 64 हजार रुपए बकाया देने के लिए लव-कुश मौर्या ने अस्पताल बुलाया था जहां अस्पताल में बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया है भाजपा ब्लाक प्रमुख के पति की जनपद मुख्यालय में खुलेआम गुंडई की चारों ओर निंदा हो रही है दलित मजदूरों को मजदूरी मांगने पर बेखौफ तरीके से बेरहमी से पीटे जाने दिनदहाड़े गुंडई के मामले में मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने भाजपा ब्लाक प्रमुख के पति और उनके समर्थकों पर मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तारी नहीं किया है जिससे मजदूरों के परिजनों में आक्रोश व्याप्त है भाजपा ब्लाक प्रमुख के पति और उनके समर्थकों की खुलेआम गुंडई के मामले में समाजवादी पार्टी कांग्रेस पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेताओं ने निंदा करते हुए कहा है कि योगीराज में मजदूर अपनी मजदूरी भी नहीं मांग सकते हैं मजदूरों को बंधुआ बनाकर भाजपा नेताओं द्वारा काम कराया जा रहा है।

अपनी जमीन के लिये 16 साल से अधिकारियों की चौखट पर चक्कर काट रहा बुजुर्ग

हल्का लेखपाल मनमानी कर दे रहा है दबंगो का साथ

कौशाम्बी। जहाँ एक तरफ योगी सरकार मजलूम कमजोर पीड़ित आम जनता को कोई तकलीफ नही देना चाहती है भ्रष्टाचार मुक्त शासन की बात योगी सरकार कर रही है वही चायल तहसील के लेखपाल पीड़ित कमजोर मजलूम आम जनता किसानों के साथ मनमानी कर रहे हैं नेवादा ब्लाक अंतर्गत ग्राम सरायुसुफ निवासी राम लाल पुत्र स्व. रामसजीवन पिछले 16 वर्ष से अपनी जमीन को दबंगो से कब्जा मुक्त कराने के लिये अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काट रहा है तहसील समाधान दिवस थाना समाधान दिवस से लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर भी पीड़ित किसान ने शिकायत कर न्याय मांगा लेकिन बुजुर्ग किसान को अपनी जमीन नही मिल पा रही है। आराजी सं. 220 मि. रकबा 0.9620 है. का रामलाल सह कास्तकार है। पीड़ित के आराजी सं. 220 मि. में धर्मू पुत्र दससु व छेदन व बैजनाथ पुत्रगण रामसरन जमीन पर जो पहले से खानगी बटवारा होने के कारण अपने अपने हिस्से पर काबिज थे लेकिन विपक्षी गण बेईमानी व शेरेपुश्ती के बल पर जमीन कब्जा किए हुए है भूस्वामी के जमीन पर कब्जा मांगने पर दबंग झगड़ा करने पर अमादा हो जाते लेकिन लेखपाल हमेशा दबंगो का ही साथ देता है इस तरह के लेखपालो के कार्य के कारण अधिकारी बदनाम होते है।

न्यूज झरोखा

बारात से वापस लौट रहे स्कार्पियो सवार चढ़ गए डिवाइडर पर, हुए घायल

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर गलत दिशा से आ रहे स्कार्पियो सवार रास्ता सही से न देख पाने के कारण डिवाइडर पर चढ़ गए जिसमे ड्राइवर सहित सवारी मामूली रूप से जख्मी हो गए उसके पीछे चल रही लक्जरी कार भी पीछे से टकरा गई। घटनाक्रम के मुताबिक ड्राइवर सुनील कुमार पुत्र रामखेलावन सेनी पुर मण्डवा जिला फतेहपुर से बारात लेकर छीमी पुरइन थाना खागा फतेहपुर गया था वापस लौटते समय भोर 3 .30 बजे अझुवा के पास फोर लेन होने पर किनारे डिवाडर पर चढ़ गया जो सवारियां बिठाकर सेनी पुर ले जा रहा था दुर्घटना होने पर सभी सवारियों ने ड्राइवर की कुटाई कर दी, पीछे बारात गयी लक्जरी सवार ड्राइवर उमेश कुमार पुत्र रामकिशोर वाहन से मय वाहन भिड़ गए उस गाड़ी के सवार किसी तरह अपने घर को चले गए। इस डिवाडर पर करीब आधा दर्जन हादसे हो चुके हैं 17 मई को सवार रास्ता भटक कर कनवार मोड़ से वापस लौट रहे थे इसी डिवाइडर में चढ़ गए पूरी गाड़ी पलट गई थी जिसमे 6 लोग घायल हुए थे,इसके 15 दिन पहले गलत दिशा से आ रहे वाहन इसी डिवाइडर पर चढ़ गया था ।राष्ट्रीय राजमार्ग में अभाव तक कट न होने की वजह से कनवार,बगहा,आदि दर्जनों गांव जाने वाले वाहन गलत दिशा से ही आते हैं जो अझुवा के पास फोर लाइन न देख पाने की वजह से डिवाइडर में चढ़ कर घायल हो जाते हैं।

क्या हुआ जब मुर्गी पकड़ने गए बच्चे ने युवक को फंदे से लटकते देखा, शोर मचाया और बच गई जान

कौशाम्बी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में एक बच्चे ने मुर्गी पकड़ने के दौरान अपने परिवार के युवक को फांसी के फंदे से लटकते हुए देख लिया,युवक फांसी के फंदे से लटक रहा था और तड़प रहा था,तभी मुर्गी उसके घर में घुस गई और बच्चे ने युवक को आत्महत्या करते हुए देख लिए और शोर मचाया,शोर सुनकर परिजन दौड़ कर आए और युवक को फौरन फंदे से नीचे उतार लिया और युवक की जान बच गई। मामला कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी क्षेत्र का है जहा एक युवक पारिवारिक कलह से तंग आ गया था और इसी वजह से उसने अपनी जीवनलीला समाप्त करने की ठान ली,युवक सुबह मोहल्ले में घूमकर कई लोगो से मिला और घर जाकर कमरे के अंदर फांसी के फंदे से झूल गया। इस दौरान परिवार का एक बच्चा अपनी मुर्गी को पकड़ रहा था,तभी वह मुर्गी उस कमरे में घुस गई जहा युवक फांसी के फंदे से झूल रहा था,युवक को फंदे से झूलता देख बच्चे ने शोर मचाना शुरू कर दिया,शोर सुनकर परिजन पहुंचे तो नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए।आनन फानन में लोगो ने मिलकर युवक को फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल ले गए जहा उसकी जान बच गई।

खड़े कंटेनर में भिड़ा बाइक सवार हुआ घायल, अस्पताल में भर्ती

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेड़ की छाया में खड़े कंटेनर के पीछे बाइक सवार भिड़ गया जिससे बाइक छतिग्रस्त हो गयी बाइक सवार घायल हो गया,पीछे बैठी बहन को खरोंच तक नही आयी, जानकारी के अनुसार रोहित मौर्य पुत्र अवध नारायण निवासी तेरहरा थाना पैसा अपने बहन के मंगेता15 वर्ष के साथ रोशनपुर टेकारी जिला फतेहपुर रिश्ते के मौसा के यहां शादी कार्यक्रम में शामिल होकर घर वापस जा रहा था जो खड़े वाहन में पीछे से टकरा गया है दुर्घटना में घायल युवक को अझुवा चौकी पुलिस ने स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराकर परिजनों को सूचित किया है।

ढाबे के आड़ में ग्राहकों को परोसा जाता है शराब शबाब

पुलिस चौकी के बगल में संचालित हो रहे ढाबे में संगठित अपराधों के संचालन से चौकी पुलिस पर लग रहा बदनुमा दाग

कौशांबी। सांदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज बाजार में एक बदनाम ढाबे में ग्राहकों को भोजन की आड़ में शराब शबाब भी परोसा जाता है आधी रात को ढाबे में संदिग्ध महिलाओं का आना जाना लगा रहता है पुलिस चौकी के आसपास संचालित इस ढाबे में संगठित अपराध संचालन की जानकारी के बाद भी चौकी पुलिस ढाबा संचालक पर कार्यवाही करती नहीं दिख रही है सूत्रों की माने तो ढाबा संचालन के आड़ में शराब शबाब के इस व्यवसाय में चौकी पुलिस भी हिस्सा वसूल कर जरायम के धंधे को बढ़ाने में संलिप्त दिखाई पड़ रही है अवैध कार्यों की वीडियो बनाने गए एक पत्रकार को ढाबे में जलालत का सामना करना पड़ा है ढाबा संचालक ने अवैध कार्यों का वीडियो बनाने गए एक पत्रकार पर ढाबा संचालक और उनके गुर्गों ने जुल्म ज्यादती की हद पार कर दी है बिना लाइसेंस और अधिकार के इस ढाबे को बीयर बार बना दिया गया है कंधे में बैग टांग कर आधी रात को युवतियों का इस ढाबे में आना जाना संदिग्धता प्रतीत कर रहा है ढाबे में आने वाली कुछ युवतियों तो आधी रात को आए दिन इस ढाबे में दिखाई पड़ती हैं जिससे युवतियों की गतिविधियों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं कहां की युवतियां है और आधी रात को आए दिन ढाबे में उनको आने की क्या जरूरत पड़ जाती है आखिर आधी रात को युवतियों का ढाबे पर आने-जाने के पीछे क्या मकसद है पुलिस ने इस बारे में अभी तक जांच करने का प्रयास नहीं किया है। जबकि आधी रात को कंधे में बैग लटका कर आने जाने वाली युवतियों की गतिविधियों पर लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं जरायम के धंधे में लिप्त ढाबा संचालक के कारनामे को आला अधिकारियों के गंभीरता से लेते हुए जांच करा कर ढाबा संचालक को बेनकाब करते हुए कठोर कार्यवाही किए जाने की जरूरत है साथ ही साथ अवैध कार्यों में लिप्त ढाबा संचालक को बढ़ावा देने वाली चौकी पुलिस की गतिविधियों की भी जांच कराए जाने की जरूरत है।

आवेदन मांगने के बाद बंद हो गई वेबसाइट

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पिछड़े वर्ग के युवक/युवतियों के लिए ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना ऑनलाइन संचालित की जा रही है। ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में ऑनलाइन आवेदन मांगे जाने के बाद यह बेवसाइट बंद हो गई है जिससे आवेदक ऑनलाइन आवेदन करने के लिए परेशान है पूरे दिन कंप्यूटर की दुकानों में ऑनलाइन आवेदन करने के लिए दिखाई पड़ रहे है लेकिन ऑनलाइन आवेदन 7 दिन बाद भी नहीं हो सका है जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार ने जनपद के अन्य पिछड़े वर्ग के इच्छुक युवक/युवतियॉ ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 15 मई, 2023 से 30 मई, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सूचना जारी की गई थी लेकिन ऑनलाइन आवेदन की सूचना जारी करने के बाद यह वेबसाइट बंद हो गई है जिससे पिछड़ा वर्ग के लोग आवेदन करने के लिए परेशान है इस संबंध में पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वह छुट्टी पर है लेकिन फिर भी इस बात की सूचना वह शासन को भेजेंगे बेरोजगारों के साथ यह कैसा मजाक योगी सरकार के अधिकारी कर रहे हैं कि पिछड़ा वर्ग के बेरोजगारों से आवेदन मांगने के बाद वेबसाइट बंद कर दी जाती है।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति के नाम पर सक्रिय हुआ ठगों का गिरोह

अखंड भारत संदेश

500 लोगों को नौकरी देने का लक्ष्य लेकर फार्म भरवाने के आड़ में बेरोजगारों से शुरू हो गई वसूली

कौशाम्बी। राज्य सरकार द्वारा कौशांबी जिले के कादीपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है मेडिकल कॉलेज का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है लेकिन निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज में नौकरी देने के नाम पर ठगों का गिरोह सक्रिय हो गया है बेरोजगारों को आवेदन फार्म भरने के नाम पर 5000 की वसूली ठग गिरोह के सदस्यों द्वारा की जा रही है बेरोजगारों की आर्थिक स्थिति देखी जाती है और जिनसे अधिक रकम मिलने की संभावना है उनसे फार्म भरवाने की रकम की कीमत बढ़ा दी जाती है बताया जाता है कि मेडिकल कॉलेज में 500 लोगों को नौकरी दिए जाने का लक्ष्य ठग गिरोह के सदस्यों ने निर्धारित किया है सिराथू तहसील क्षेत्र के रहने वाले लोगों ने मेडिकल कॉलेज में नौकरी देने का गोरख धंधा शुरू कर दिया है और पूरे दिन जनपद मुख्यालय में घूम-घूम कर बेरोजगारों को फंसाने का काम कर रहे हैं गिरोह के लोगों ने सैकड़ों बेरोजगार लोगों से आवेदन पत्र भरने के नाम पर लाखों रुपए की अवैध वसूली की है जनपद मुख्यालय मंझनपुर में खुलेआम ठगी के इस खेल की भनक से गुप्तचर एजेंसी के लोग भी अभी तक अनजान बने हुए हैं जबकि मेडिकल कॉलेज में राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों की नियुक्ति की जानी है प्राइवेट लोगों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करने का अधिकार राज्य सरकार ने नहीं दिया है लेकिन सरकारी मेडिकल कालेज में प्राइवेट लोगों द्वारा नौकरी देने का झांसा देकर फार्म भरवाने के नाम पर बेरोजगारों से वसूली का यह खेल जनपद मुख्यालय मंझनपुर में महीनों से बेखौफ तरीके से चल रहा है जनपद मुख्यालय मंझनपुर के समदा रोड में राशन गोदाम के आसपास नौकरी देने वाले ठग गिरोह के सदस्य सुबह से शाम तक देखे जाते हैं उनके आगे पीछे बेरोजगारों की लाइन लगी रहती है सूत्रों की मानें तो अब तक सैकड़ों लोगों से आवेदन फार्म भरवाने के नाम पर लाखों रुपए की अवैध वसूली की जा चुकी है ठग गिरोह के सरगना के मोबाइल नंबर 97 92 70 250 की आला अधिकारियों ने कॉल डिटेल निकालकर जांच कराई तो ठग गिरोह के सरगना के कारनामे बेनकाब होना तय है इलाके के लोगों ने डीएम एसपी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ठगी करने वाले युवक के कारनामे की जांच कराकर उसे दंडित किए जाने की मांग की है।

माफिया अतीक के गुर्गे ने दलित के भूमि पर शुरू किया अवैध कब्जा, शिकायत

अखंड भारत संदेश

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पहुंचकर लगाई गुहार साहब! मेरी जान बचाओ नहीं तो हो जायेगी हत्या

कौशांबी। साहब मेरी जान बचा लो नहीं तो मेरी हत्या हो जाएगी। यह लोग मेरी जमीन पर कब्जा भी कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि तुम्हारे परिवार को खत्म कर देंगे। मैं पहले भी शिकायत कर चुका हूं पर कार्रवाई भी नहीं हो रही। उक्त बातें संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अनुसूचित जाति के एक पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर रो-रोकर सुनायी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र अधिकारी को जांच कर कार्रवाई के आदेश दे दिए हैं। मामले में शिकायती पत्र देते हुए कोखराज थाना क्षेत्र के बरीपुर गांव निवासी तुलई के पुत्र राम सुमेर ने बताया कि उसने संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज चौकी के भीखमपुर गांव कि एक आराजी में जमीन लिया है। इस जमीन पर वहीं का रहने वाला जौहर अली के पुत्र इरफान अली कब्जा करना चाहता है पीड़ित ने बताया कि जब वह 10 तारीख को अपनी जमीन पर पहुंचा तो इरफान ने अपने आधा दर्जन से अधिक साथियों के साथ उसे खदेड़ लिया और पीटने लगा। कहा कि यह जमीन तुम्हें नहीं मिलेगी इसके पहले भी एक पासी ने इस पर कब्जा करने की कोशिश की थी लेकिन मैंने उसे नहीं लेने दिया अब तुम कैसे कर पाओगे। यहां पर सिर्फ धर्म विशेष के लोग ही रह सकते हैं पीड़ित ने बताया कि इस दौरान उसने कहा कि यदि तुम मुसलमान बन जाओगे तो यह जमीन तुमको हम बनाने देंगे। पीड़ित ने बताया कि इसके पहले इस पूरे मामले की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से कर चुका है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि यदि इस मामले में इन दबंग आरोपियों जो कि माफिया अतीक गैंग से जुड़े रहे हैं इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो उसकी हत्या हो जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव ने जांच कर कार्रवाई के आदेश क्षेत्राधिकारी चायल को दे दिए हैं।

अवैध खनन पर पट्टा धारक पर दर्ज हुआ मुकदमा

कौशाम्बी। महेवाघाट थानांतर्गत यमुना नदी के जमुनापुर में बालू के खनन में गलत पाए जाने पर बालू पट्टा धारक पर महेवाघाट थाना में मुकदमा दर्ज कराते हुए 11.62 लाख रुपए अर्थदण्ड आरोपित करते हुए वसूली की कार्यवाही की जा रही है। डीएम के निर्देश पर रविवार को अवैध खनन के बिरुद्ध कार्यवाही में अपर जिलाधिकारी क्षेत्राधिकारी चायल, खान अधिकारी तथा तहसीलदार मंझनपुर द्वारा तहसील मंझनपुर स्थित ग्राम जमुनापुर में स्वीकृत खण्ड की औचक जॉच की गयी, जिसमें नियमों का उल्लंघन करते हुए खनन पाये जाने के कारण पट्टेधारक के विरूद्ध थाना महेवाघाट में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी तथा 11 लाख 62 हजार रुपए अर्थदण्ड आरोपित करते हुए वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

आय जाति निवास प्रमाण पत्र तथा पीएम सम्मान किसान निधि के लिए परेशान हैं गरीब किसान

अखंड भारत संदेश

5 वर्षो से एक ही सर्किल में तैनात लेखपाल का नहीं हो सका स्थानांतरण

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील के भैरवा, मेडुवा रक्सराई नदौली उरई अशरफपुर सहित अन्य कई गावों में तैनात लेखपाल पर 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थानांतरण का चाबुक नहीं चल सका है आखिर इस लेखपाल पर आला अधिकारी क्यों मेहरबान है जिससे स्थानांतरण नीति का पालन नहीं हो रहा है इलाके में लंबे समय से तैनात लेखपाल की जड़े मजबूत हो गई हैं जगह-जगह पर उनके समर्थक दलाल सक्रिय हैं जो किसान और ग्रामीणों का उत्पीड़न कर वसूली में लिप्त है बिना समर्थकों और दलालों के लेखपाल काम नहीं कर रहे हैं जिससे योगी सरकार की मंशा के अनुसार गांव क्षेत्र के किसान गरीबों को तहसील के सरकारी कार्यों का लाभ नहीं मिल पा रहा है क्षेत्र के लोगों ने बताया कि लेखपाल ने गावों में दलाल पाल कर लोगो से वारासत पारिवारिक लाभ पीएम किसान आय जाति के नाम पर वसूली शुरू की है पीएम किसान सत्यापन में कई किसान के जमीन का खाता न अंकन करने से उनकी पीएम किसान निधि बंद हो गई है आय जाति निवास प्रमाणपत्र के लिए इलाके में दलाल सक्रिय है जब तक पैसा नही पहुंचता महीनो आवेदन रोक दिया जाता है गांव के जयराम प्रदीप कुमार उमेश कुमार उमेश राधा रूपा ने बताया कि 04/05/2019 के आवेदन में आज तक रिपोर्ट नही लगी है खेत होने के बाद भी जमीन का अंकन न करने की वजह से सुभाष रामबहोरी अमृत लाल उर्मिला कान्ति सुंदर अखिलेश कुमार जगपतिया महादेव रामप्रताप चौबेलाल मिथलेश कुमार चौरसिया राम सजीवन आदि के पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त लेखपाल के कारनामे से रोक दी गई है पंचायत भवन में रोस्टर के अनुसार कभी आज तक लेखपाल उपस्थिति नही रहा कई गावों में तैनाती के कारण दलाल की सक्रियता के कारण दिन भर क्षेत्र में चार पहिया और ड्राइवर को लेकर लेखपाल अवैध वसूली में लिप्त रहता है बताया जाता है कि बीते 5 वर्षों से इस लेखपाल का भैरवा, मेडुवा रक्सराई नदौली उरई अशरफपुर सहित अन्य कई गावों में तैनाती होने के बाद स्थानांतरण नहीं हो सका है इलाके के लोगों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए लेखपाल पर कार्रवाई करते हुए उसे क्षेत्र से स्थानांतरित किए जाने की मांग की है जिससे आम जनता को योगी सरकार की योजनाओं का आसानी से लाभ मिल सके।

बिना कमीशन के काम नहीं करता कंप्यूटर ऑपरेटर

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर की मनमानी के चलते लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है बताया जाता है कि कंप्यूटर ऑपरेटर नागेंद्र बिना कमीशन के काम नहीं कर रहा है जिससे कमीशन मिलता है उसका काम आसानी से कर देता है वरना कंप्यूटर से संबंधित काम कराने के लिए लोगों को उसके आगे पीछे चक्कर काटना पड़ता है सूत्रों की माने तो कमीशन खोरी की आड़ में लाखों रुपए महीने की अवैध वसूली खुलेआम बेखौफ तरीके से कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा की जा रही है। मंझनपुर विकासखंड में आउटसोर्सिंग से तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर नागेंद्र अपने को बड़ा अफसर समझने लगा है इस आपरेटर के कारनामे से गांव क्षेत्र के लोगों के तमाम कार्य बाधित हो रहे हैं लेकिन इस ओर खंड विकास अधिकारी मंझनपुर ने ध्यान नहीं दिया है जिससे उसकी मनमर्जी बढ़ती जा रही है योगी सरकार के निर्देश पर गांव-गांव में कंप्यूटर की व्यवस्था संचालित किए जाने का निर्देश दिए जाने के बाद भी गांव में कंप्यूटर की व्यवस्था नहीं शुरू हो सकी है ग्राम पंचायतों के कार्य अभी भी बीडीओ कार्यालय में नागेंद्र के जिम्मे सौंपा गया है जिससे तमाम हेराफेरी की भी संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

ब्राह्मणों को एकजुट करने का काम करेगी आरबीकेएस : अनुराग तिवारी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। राष्ट्रीय ब्राह्मण क्रांति कारी संगठन के मीडिया प्रभारी अनुराग तिवारी ने वटसावित्री अमावस्या पर कडा धाम कालेश्वर मठ नागा बाबा कुटी में ब्राह्मण समाज के भाईयों के बीच बैठक कर ब्राह्मणों को एक सूत्र में बाँधने की बात कही और इस मौके पर उपस्थित ब्राह्मण भाइयों को कहा कि आज ब्राह्मण समाज अपनी पहचान खो रहा है जिसका मूल कारण हम सब का आपस में एक न रहना है जिसका लाभ अन्य उठा रहे हैं और हम पीछे जा रहे हैं सनातन धर्म को पहचानने में बडी भूल कर रहे हैं । हमारी भावी पीढी को संस्कार वान बनाना हमारा मूल मंत्र होना चाहिए जिसके लिए हम सब राष्ट्रीय ब्राह्मण क्रांति कारी संगठन से जुड कर अपने समाज का उत्थान करना होगा बैठक में उपस्थित संतो ने संगठन को अपने मिशन में कामयाब होने का आशीर्वाद प्रदान करते हुए अपनी शुभकामनाएं हमेशा संगठन के लिए कहा इस अवसर संत राजेन्द्र दास महराज ने कहा कि हमे जिला स्तर से लेकर तहसील ब्लाक मंडल और गाँव स्तर तक बिस्तार करते हुए ब्राह्मण भाइयों को अपना एजेंडा बताते हुए उनके साथ हर समय खडे रहना होगा तथा अपनी सनातन धर्म और अपनी संसकृति से उन्हे अवगत कराना होगा और उनके दुख सुख में हमेशा साथ देने रहने का संकल्प लेना होगा तभी हमारा और हमारे ब्राह्मण समाज का कल्याण होगा तथा जमीनी कार्य कर्ता को हमे हमेशा सम्मान देना हमारी प्राथमिकता हो ताकि वह लगन निष्ठापूर्वक संगठन को बढाने का काम करेंगे तथा हमें अपने समाज का एक कोष बनाना होगा जिससे हम कभी भी दुख बीमारी मुसीबतों में फंसे अपने भाइयों की वक्त जरूरत पर मदद कर सकें इस अवसर पर इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रभारी पंडित सर्वेश ने कहा कि हमे निष्पक्ष रहकर समाज के लिए काम करना होगा इस अवसर पर अनिल कुमार तिवारी सुमित तिवारी मोनू तिवारी महंत योगा नद तिवारी बाबा कमल दास महराज बालक दास महराज हनुमान दास महराज कैलाश नाथ बाबा फौजी बाबा सहित तमाम संत ने भी संगठन की काम याबी के लिए आशीर्वाद दिया इस अवसर पर शिव शक्ति उपासक बाल योगी फलहारी नागा बाबा महंत विक्रमा नंद सरस्वती पंच दशनाम जूना अखाड़ा शिव शक्ति महा यज्ञ अधिष्ठाता ने राष्ट्रीय ब्राह्मण क्रांति कारी संगठन को ब्राह्मणों का स्तर ऊचा उठाने की कामना औरस सनातन धर्म की स्थापना करने पर बल देते हुए अपना आशीर्वाद दिया।

अवैध खनन और परिवहन के रोक लगाने के आदेश पर भानु संगठन ने की डीएम एसपी की सराहना

कौशाम्बी। भारतीय किसान यूनियन भानु संगठन कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष संजय सिंह यादव ने संगठन के माध्यम से कहा कि भानु संगठन लगातार अवैध खनन एवम ओवर लोड के रोक थाम के लिये कौशाम्बी के अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देता आया है। जिलादयक्ष ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की भ्रस्टाचार के खिलाफ कदम उठाने की सराहना करते हुए संगठन की ओर से धन्यवाद दिया।और जिलाध्यक्ष ने अधिकारियों से उम्मीद जताई कि इसी प्रकार यदि राजस्व विभाग पर कार्यवाही हो तो किसानों को परेसानी नही होगी।जिलादयक्ष ने लेखपालो द्वारा किसानों को परेसान किये जाने पर नाराजगी जताई। संजय सिंह ने कौशाम्बी जिले के अधिकारियों को धन्यवाद दिया।और कहा कि भानु संगठन हमेसा भ्रस्टाचार के खिलाफ कदम उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा।

हेराफेरी कर जमीन कब्जा करने वालों पर कई वर्षों बाद नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

जांच के दौरान फर्जी तरीके से नाम दर्ज कराए जाने का खुलासा होने के बाद हेराफेरी करने वाले को बचाने में लगी प्रयागराज की पुलिस

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के कादिलपुर बाजार में पीएसी जवान जयराज सिंह की पुश्तैनी जमीन आराजी संख्या 138 पर दर्ज है इस जमीन पर इलाके के गुंडे माफियाओं ने कई वर्षों से कब्जा कर रखा है कई वर्षों पूर्व इलाके के गुंडों ने अभिलेखों में हेराफेरी कर फर्जी तरीके से पीएसी जवान की जमीन को अपने नाम दर्ज करा लिया था जिसका मुकदमा प्रयागराज में लंबे समय तक चला मुकदमे के दौरान दबंगों के फजीवाड़े का खुलासा हुआ और फर्जी तरीके से पीएसी जवान की जमीन में नाम दर्ज कराने वाले चंद्रप्रकाश सिंह का नाम मुकदमे के दौरान अधिकारियों ने खारिज कर दिया हेरा फेरी धोखाधड़ी करने वाले चंद्रप्रकाश सिंह के नाम मुकदमा दर्ज कराने के लिए पीएसी जवान जयराज सिंह ने कई बार प्रयागराज के कर्नलगंज कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की लेकिन कर्नलगंज कोतवाली पुलिस लगातार हेराफेरी करने वाले दबंगों का बचाव कर रही है पीएसी जवान ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए हेराफेरी करने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज कराए जाने और उनका बचाव करने वाली कर्नलगंज पुलिस पर कठोर कार्यवाही की मांग की है फजीवाड़े का शिकार हो चुके पीएसी जवान जयराज सिंह ने संपूर्ण प्रकरण की जानकारी देते हुए प्रयागराज एसएसपी को भी पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की एसएसपी ने कर्नलगंज पुलिस को निर्देशित भी किया लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद जमीन में हेराफेरी करने वाले दबंगों के विरुद्ध प्रयागराज की पुलिस ने मुकदमा नही दर्ज किया है कोतवाली पुलिस से न्याय न मिलने पर पीएसी जवान पुलिस महा निरीक्षक प्रयागराज के पास पहुंचे उन्हें भी पूरे प्रकरण की जानकारी देते हुए पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की आईजी जोन में कर्नलगंज पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया लेकिन उसके बाद भी कर्नलगंज पुलिस ने हेराफेरी करने वाले दबंगों के विरुद्ध मुकदमा नही दर्ज किया है न्याय पाने के लिए पीएसी जवान अधिकारियों के चौखट पर दौड़ रहा है लेकिन योगीराज में न्याय मिलता नहीं दिख रहा है।

जन संपादकीय

एक और पुनर्जागरण की जरूरत

भारत में पुनर्जागरण के अग्रदूत राजा राममोहन राय की आज जयंती है। जिस वक्त अबोध बच्चों की शादी, विधवा का पति की चिता पर चढ़कर सती हो जाना और पर्दा करना समाज में सामान्य चलन था, उस वक्त राजा राममोहन राय ने धर्म के नाम पर चल रही इन अमानवीय प्रथाओं को खत्म करने के लिए अथक मेहनत की। चाहे बचपन में विवाह हो या अकाल मौत के लिए धकेला जाना हो, स्त्री को केवल इसलिए ये त्रासदियां भुगतनी पड़ती थीं, क्योंकि वो पुरुष सत्तात्मक समाज में जन्मी। राजा राममोहन राय ने सामाजिक कुरीतियों के व्यापक असर और महिलाओं की पीड़ा को समझा और उसके खिलाफ आवाज उठाई। देश के अलग-अलग हिस्से में कई और लोगों ने इसी तरह महिला उत्थान के कार्य किए। देश आजाद हुआ तो संविधान के जरिए महिलाओं के अधिकार रेखांकित किए गए। समय के साथ जागरुकता आई तो महिलाओं के हक में कई कानून बने, कई कानूनों में सुधार किए गए, ताकि स्त्री-पुरुष बराबरी की आदर्श स्थिति लाई जा सके। मगर आज जो हालात हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि देश को एक और पुनर्जागरण की जरूरत है। कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने राजा राम मोहन राय पर रविवार को आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए देश में कई कानूनों को लागू किए जाने के बावजूद वो अक्सर उन कानूनों का लाभ उठाने में असमर्थ होती हैं। जब न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ये बात कह रहे थे, तब कोलकाता से बहुत दूर रोहतक के महम में खाप पंचायत हो रही थी। और एक खाप पंचायत दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रही थी। दोनों पंचायतें महिला पहलवानों को इंसाफ दिलाने के लिए हुईं, क्योंकि देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी संसद में इस पर मौन पसरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों जापान में हैं। रूस से युद्धरत यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात में उन्होंने कहा कि बातचीत से किसी भी समस्या का हल निकाला जाना चाहिए। श्री मोदी ने भारत की नीति-रीति के अनुरूप ही विचार रखे। लेकिन इस विचार को वे देश में अमल में क्यों नहीं ला रहे हैं, यह समझ से परे है। पिछले महीने की 23 तारीख से जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना चल रहा है। यानी एक महीना होने में एक ही दिन बच गया है। बीते अनुभव यही बता रहे हैं कि मोदी सरकार में कोई भी धरना-प्रदर्शन लंबा ही चलता है, क्योंकि इंसाफ की मांग करने वालों का चीखते-चीखते गला सूख जाता है, मगर सरकार के कानों तक आवाज पहुंचती ही नहीं है। शाहीन बाग का आंदोलन, किसानों का आंदोलन, या मोदी सरकार के गठन के फौरन बाद 2015 में हुआ एफटीआईआई के छात्रों का आंदोलन हो, सब लंबे खिंचे क्योंकि संवाद का अभाव था। इसलिए पहलवानों का आंदोलन कितना लंबा खिंचेगा, कहा नहीं जा सकता। कितनी हैरानी की बात है कि देश के नामी-गिरामी पहलवान यौन शोषण के गंभीर आरोप लगा रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। दिल्ली पुलिस ने आरोपी बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर ले-दे कर दर्ज की है, जिसमें पॉक्सो के तहत भी मामला दर्ज हुआ है। लेकिन आरोपी पर कोई कानूनी कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। बल्कि बृजभूषण शरण सिंह 5 जून को अयोध्या में 'जन चेतना महारैली' का आयोजन करने जा रहे हैं। रैली का असल उद्देश्य क्या है, यह पता नहीं। लेकिन माना जा रहा है कि इस आयोजन के बहाने भाजपा सांसद हिंदू धार्मिक नेताओं की मदद से लोगों को अपने पक्ष में लामबंद करना चाहते हैं, ताकि सरकार उन पर कार्रवाई करने से बचे। बृजभूषण शरण सिंह के राजनैतिक महत्व को भाजपा जानती है, शायद इसलिए कोई कड़ा कदम अब तक नहीं उठाया गया है। भाजपा सांसद अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते आए हैं और 19 मई को उन्होंने फिर कहा कि सारा मामला गुड टच और बैड टच का है। कोई भी ये बताए कि कहां हुआ, किसके साथ हुआ, अगर एक भी मामला साबित हुआ तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। सांसद महोदय को यह पता होना चाहिए कि मामला साबित होने का सही स्थान तो अदालत है, लेकिन वहां तक तो बृजभूषण शरण सिंह तभी पहुंचेंगे, जब वे खुद जाएंगे या उन्हें वहां तक आने के लिए बाध्य किया जाएगा। फिर सजा होनी है या नहीं, यह तय करना भी माननीय न्यायाधीशों का कार्य है। देश में न्याय अगर किसी सांसद के शक्ति प्रदर्शन से या पंचायतों से होने लगे तो फिर कानून व्यवस्था किस दुर्दशा को प्राप्त होंगे, ये कल्पना ही कठिन है। महिला पहलवानों के हक में खाप पंचायतों ने सरकार को चेतावनी दी है कि इस निष्क्रियता का परिणाम अच्छा नहीं होगा। मुमकिन है राजस्थान चुनाव और अगले साल होने वाले चुनावों को देखते हुए सरकार कोई कदम उठा ले। लेकिन इसमें इंसाफ की जगह राजनैतिक स्वार्थ की भावना हावी रहेगी। सरकार अगर जनवरी से ही इस बारे में कोई पहल करती तो माना जा सकता था कि उसका इरादा इंसाफ करने का है, अब तो हर कदम भरपाई ही लगेगा, बशर्ते कोई कदम सरकार उठाए। महिला पहलवानों के लिए तो खाप पंचायतें आगे आ गईं, लेकिन लगभग हर क्षेत्र में इसी तरह महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। अभी तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो की कुछ महिला कलाकारों ने शो के निमार्ताओं पर मानसिक शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। एक कलाकार ने कहा कि शो का सेट पुरुषवादी है, यहां पुरुष कलाकारों को अधिक पारिश्रमिक मिलता है, वे अपना काम करके जल्दी भी जा सकते हैं, लेकिन महिला कलाकारों को इंतजार कराया जाता है। ग्लैमर की दुनिया से लेकर अखाड़े तक महिलाओं की व्यथा एक जैसी ही है। क्या हालात सुधारने के लिए हमें फिर कोई राजा राममोहन राय जैसी शख्सियत चाहिए या देश के कानून इसके लिए पर्याप्त होंगे, यह विचारणीय है।

हिरोशिमा में मोदी ने सुझाया अमन का रास्ता

ललित गर्ग

भारत समूची दुनिया में एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा हैं, महाशक्तिशाली राष्ट्र भी भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देख रहे हैं। हिरोशिमा में जी-7 सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मानवतावादी सोच एवं युद्ध-हिंसामुक्त नयी दुनिया को निर्मित करने के संकल्प के लिये सबकी आंखों के तारे बने हैं, जापान के समाचार-पत्रों में उन्होंने सुर्खियां बटोरी हैं, यह भारत के लिये गर्व एवं गौरव का विषय है। मोदी ने अपने वक्तव्य में यूक्रेन में युद्ध दुनिया के लिए एक बड़ी चिंता है कहकर न केवल पूरे विश्व को प्रभावित किया है, बल्कि सभी का ध्यान अपनी ओर खिंचा। हिरोशिमा में युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण, बढ़ती जनसंख्या, आपसी सहयोग जैसे विषयों पर साफ-साफ चर्चा करते हुए मोदी ने भारत की धरती से घोषित हुए सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं वसुधैव कुटुम्बकम मंत्रों को दुनिया के लिये उपयोगी साबित किया है। इस तरह मोदी की भूमिका से उनके बढ़ते कद का भी पता चलता है और इसका भी कि विश्व समुदाय भारत की बात सुन रहा है।

भारत प्रारंभ से ही शांति, अयुद्ध एवं अहिंसा की वकालत करता रहा हूं। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने भारत की इस सोच को बल दिया है, एक अहिंसा एवं शांतिवादी नेता के रूप में अपनी पहचान बनायी है। मोदी भारत पर तीखी हिंसक नजरें रखने वाले देशों को भी सदैव अहिंसक तरीकों से लाइन पर लाने की चेष्टा की है। यही मानवतावादी एवं अहिंसक सोच का परिणाम है कि पाकिस्तान के लगातार आतंक फैलाने एवं भारत की शांति को भंग करने की घटनाओं के उन्होंने कभी युद्ध एवं हिंसा का सहारा नहीं लिया, अन्यथा पाकिस्तान की आज जैसी दुर्दशा है, चाहे जब हिंसा का जबाव हिंसा से या युद्ध से दिया जा सकता है। चीन के लगातार भारत के खिलाफ हो रहे षडयंत्रों के भारत ने संयम बरता है। हिरोशिमा में भारत एक नयी पहचान लेकर उभरा। मोदी का यूक्रेन के मामले में यह कथन विश्व स्तर पर खूब चर्चित हुआ था कि यह युग युद्ध का नहीं, शांति का है। खास बात यह थी कि उन्होंने यह बात रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कही थी। हिरोशिमा में उन्होंने यूक्रेन संकट को लेकर यह भी कहा कि मैं इसे राजनीतिक या आर्थिक विषय नहीं, बल्कि मानवता और मानवीय मूल्यों का मुद्दा मानता हूं। यह कहना कठिन है कि भारतीय प्रधानमंत्री की इन बातों का कितना असर होगा, रूस-यूक्रेन संघर्ष रोकने में कोई सकारात्मक परिवेश बन सकेगा-कहना इतना आसान नहीं है। लेकिन दुनिया के लिये क्या हितकारी है, यह तो समझा ही जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहकर रूस के साथ चीन को भी निशाने पर लिया कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। किसी को कोई संशय न रहे, इसलिए उन्होंने यह स्पष्ट करने में भी संकोच नहीं किया कि यथास्थिति बदलने के एकतरफा प्रयासों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ऐसी कोई टिप्पणी इसलिए आवश्यक थी कि एक ओर जहां रूस यूक्रेन की संप्रभुता एवं उसकी अखंडता की अनदेखी कर यथास्थिति बदलने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर चीन भी अपने पड़ोस में यही काम करने में लगा हुआ है। चीन की विस्तारवादी हरकतों और सीमा विवाद के मामले में उसके अड़ियल रवैये की चपेट में भारत भी है। भारत के लिए जितना आवश्यक यह है कि वह रूस को नसीहत देने में संकोच न करे, उतना ही यह भी कि चीन को आईना दिखाने का कोई अवसर न गंवाए। यह अच्छी बात है कि भारत यह काम लगातार कर रहा है। शंघाई सहयोग संगठन, क्वाड, जी-20 और जी-7 के मंचों से वह अपनी बात कहने में जिस तरह हिचक नहीं रहा, उससे यही पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर मोदी के नेतृत्व में एक नया भारत आकार ले रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के प्रधानमंत्री वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतीन से प्रधानमंत्री शंघाई में मिले थे, तब भी उन्होंने युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया। क्योंकि युद्ध से समूची दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है और महंगाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा तो पूरी दुनिया की नजर भारत पर टिक गई थी। माना जा रहा था कि भारत के प्रयासों से इसे रोकने में मदद मिल सकती है। इसलिए कि भारत रूस का घनिष्ठ मित्र है और उसकी मध्यस्थता का उस पर असर हो सकता है। भारत ने इसके लिए पूरा प्रयास किया भी है। जब भी प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से बात की, उन्होंने उसे सुना तो ध्यान से मगर किया अपने मन की। यूक्रेन से भारत की निकटता रही है, इसलिए वह भी भारत के सुझावों को गंभीरता से लेता रहा है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री ने हिरोशिमा में जेलेंस्की से अलग बात की और फिर सम्मेलन के मंच से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को मानवता के लिए गंभीर संकट बताया, तो सभी सदस्य देशों ने उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। समूची दुनिया युद्ध-मुक्त परिवेश चाहती है। कुछ चीन जैसे देश है जो इस सोच में बाधा बने हुए है। पश्चिमी देशों ने पहले ही तय कर रखा था कि इस सम्मेलन में रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। समूह सात के देशों ने चीन का नाम लिए बिना कड़ी निंदा की और कहा कि उसे रूस पर यह युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाना चाहिए। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध अब जिस मोड़ पर पहुंच गया है, वहां जैसे किसी तरह के समझौते की गुंजाइश नजर नहीं आती। पश्चिमी देश खुल कर यूक्रेन के पक्ष में उतर आए हैं, तो चीन खुलकर रूस के साथ खड़ा है। रूस के हमले यूक्रेन पर भारी पड़ रहे हैं। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका बनी रहती है। ऐसे में भारत के लिए मध्यस्थता की कोई जगह तलाशना आसान नहीं रह गई है। रूस पर वह दबाव बनाने की कोशिश भी करे, तो कैसे। चीन एक बड़ा रोड़ा है। हकीकत यही है कि इस युद्ध ने मानवता के लिए बड़ा संकट पैदा कर दिया है।

अब दुनिया में युद्ध का अंधेरा नहीं, बल्कि शांति का उजाला हो, उसके लिये आवश्यक है- दुनिया के देशों के बीच सहज रिश्तें कायम हो। आज हमारी कड़वी जीभ ए.के.47 से ज्यादा घाव कर रही है। हमारे गुस्सैल नथुने मिथेन से भी ज्यादा विषैली गैस छोड़ रहे हैं।

हमारे दिमागों में भी स्वार्थ का शैतान बैठा हुआ है। यह सब उत्पन्न न हो, ऐसे मनुष्य का निर्माण हो। मनुष्य का आंतरिक रसायन भी बदले, तो बाहरी प्रदूषण में भी परिवर्तन आ सकता है और वह ऐसे सम्मेलनों में पारित प्रस्ताव की तरह केवल कागजों पर नहीं होगा। कभी आंतरिक प्रदूषण के बारे में भी ऐसे सम्मेलन हों। आंतरिक प्रदूषण के अणु भी कितने विनाशकारी होते हैं। यही बात इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने समझाने की कोशिश की है। महात्मा गांधी के प्रिय भजन की वह पंक्ति- सबको सन्मति दे भगवान में फिलहाल थोड़ा परिवर्तन हो- केवल आकाओं को सन्मति दे भगवान। एक व्यक्ति पहाड़ (जिद के) पर चढ़कर नीचे खडे. लोगों को चिल्लाकर कहता है, तुम सब मुझे बहुत छोटे दिखाई देते हो। प्रत्युत्तर में नीचे से आवाज आई तुम भी हमें बहुत छोटे दिखाई देते हो। बस! यही कहानी एवं रूस और यूक्रेन युद्ध की स्थितियां तब तक दोहराई जाती रहेगी जब तक आम सहमति सवार्नुमति नहीं बनेगी। इसी के लिये प्रधानमंत्री प्रयासरत है। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मामलों में न केवल भारत की अहमियत बढ़ी है, बल्कि प्रमुख देश उससे सहयोग, संपर्क और संवाद के सिलसिले को गति देने में लगे हुए हैं। शायद यही कारण रहा कि आस्ट्रेलिया में क्वाड की बैठक स्थगित हो जाने के बाद भी भारतीय प्रधानमंत्री वहां जा रहे हैं। इसके बाद उन्हें अमेरिका भी जाना है।

आज आवश्यक केवल यह नहीं है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी सक्रियता बढ़ाए, बल्कि यह भी है कि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए अपनी दावेदारी आगे बढ़ाता रहे। इसी से दुनिया में शांति एवं मानवतादी सोच का धरातल सुदृढ़ होगा।

आम के बहाने पसमांदा मुसलमानों के साथ योगी

आर.के. सिन्हा

मिर्जा गालिब मीठे आम के लिए जान देते थे। वे अपने दोस्तों-यारों के साथ आम खाना पसंद करते थे। उनकी आम की पार्टियाँ मशहूर हैं कवे वर्ष 1827 में दिल्ली से कोलकाता गए थे। वे दिल्ली से कोलकाता जाते वक्त कानपुर, लखनऊ, बाँदा, इलाहाबाद होते हुए बनारस पहुँचे। वे बनारस में छह महीने ठहरे थे। उन्होंने अपने सफर के दौरान उत्तर प्रदेश के मशहूर दशहरी या लंगड़ा आम का जमकर स्वाद स्वाद चखा । आम की अलग-अलग प्रजातियां सारे देश में मिलेंगी पर उत्तर प्रदेश में मिलने वाले मिश्री जैसे रसीले आमों की बात ही अलग है। अजीब सा संयोग है कि राज्य में आम की खेती और व्यापार में मुसलमानों की अच्छी-खासी भूमिका है। आपको सारे प्रदेश में आम की खेती करते हुए ज्यादातर मुसलमान ही मिलेंगे। कुछ समय पहले राज्य के कुछ इलाकों में बेमौसमी बारिश तथा ओला वृष्टि से आम किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया था। वे बेहद परेशान थे। तब योगी सरकार ने भरोसा दिया था कि हर किसान को हुए नुकसान की उचित भरपाई की जाएगी। उस पर तेजी से अमल हो भी रहा है।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, अमरोहा, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रतापगढ़, वाराणसी वगैरह दशहरी, चौसा, लंगड़ा, रामकेला, रतौल, आम्रपाली और मल्लिका की फसल उगाई जाती है।दरअसल आम के उत्पादन में उत्तर प्रदेश का देश में पहला स्थान है। इसकी खेती करके किसान बेहतर मुनाफा भी कमा रहे हैं। इस बीच, उन्नाव जिला आम की कई किस्मों के लिए जाना जाता है। राज्य की जलवायु और मिट्टी आम की खेती के लिए बड़ी मुफीद मानी जाती है। इस वजह से सबसे अधिक आम उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। इसी तरह बिहार की राजधानी पटना के आसपास होनेवाले दीघा मालदह का तो जवाब ही नहीं है कमुंह में जाते ही घुल जाता हैक इसके अतिरिक्त भागलपुर का जदार्लू और मोतिहारी का बीजू के आम का भी जवाब नहीं पर उत्तर प्रदेश के आम उत्पादकों को चुस्त मार्केटिंग के अभाव में अपनी फसल को देश के विभिन्न भागों में और देश से बाहर भेजने के अबतक कम अवसर मिलते थे। इस कमी को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का आगामी 21 से 25 सितंबर तक नोएडा में आयोजित हो रहा इंटरनेशनल ट्रेड शो अहम होगा। उसमें फलों के राजा आम की विशेष मार्केटिंग की जाएगी। उत्तर प्रदेश देशभर का करीब 21 प्रतिशत आम का उत्पादन अकेले करता है। योगी सरकार इंटरनेशनल ट्रेड शो के माध्यम से ओडीओपी यानी एक जिला एक उत्पाद को प्रमोट कर रही है। ऐसे में आम के अलग-अलग किस्मों को भी इस शो में प्रमोट करने की तैयारी सरकार ने कर ली है। उत्तर प्रदेश का आम सारी दुनिया में बिकेगा तो लाभ होगा मुसलमानों को खासतौर पर। दरअसल आम के किसान और उनके यहां काम करने वाले मजदूर सब मुसलमान ही हैं। खेतों में काम करने वाले अधिकतर किसान पसमांदा समुदाय से आने वाले मुस्लिम हैं।लखनऊ की चिकन की कारीगरी, बनारस की गुलाबी मीनाकारी, कन्नौज के इत्र के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आम के बगान अल्पसंख्यक समुदाय की आजीविका का मुख्य साधन हैं। इस ट्रेड शो के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य एक तरफ आम को प्रमोट करना है तो वहीं, अप्लसंख्यक समुदाय को आर्थिक तौर पर सशक्त करना भी है।दिल्ली में आयोजित होने वाले वर्ल्ड ट्रेड फेयर में उत्तर प्रदेश को सिर्फ हजार से डेढ हजार हेक्टेयर भूमि में ही अपने उत्पादों की प्रदर्शनी के लिए जगह मिल पाती है। वहीं इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन लगभग 50 हजार हेक्टेयर भूमि पर किया जाएगा।

यहां आम और योगी सरकार के बहाने पसमांदा मुसलमानों की हालत पर बात करना जरूरी है। सब जानते हैं कि मुसलमान अशराफ, अजलाफ और अरजाल श्रेणियों में बंटे हैं। शेख, सैयद, मुगल और पठान अशराफ कहे जाते हैं। अशराफ का मतलब है, जो अफगान-अरब मूल के या हिन्दुओं की अगड़ी जातियों से धर्मांतरित मुसलमान हैं। अजलाफ पेशेवर जातियों से धर्मांतरित मुसलमानों का वर्ग है। एक तीसरा वर्ग उन मुसलमानों का है, जिनके साथ शेष मुसलमान भी संबंध नहीं रखते। इन्हें ही पसमांदा मुसलमान कहते हैं। हालांकि इस्लाम में जाति का विचार तो नहीं है। इस्लाम जाति के कोढ को ललकारता भी है। इसके बावजूद सारा मुसलमान समाज जाति के दलदल में फंसा है। मुसलमानों में अलग-अलग जातियों के अपने कब्रिस्तान तक हैं। राजधानी में पंजाबी मुसलमानों के कब्रिस्तान में गैर-पंजाबी मुसलमानों का प्रवेश निषेध है। शिया और सुन्नियों के तो अपने अलग-अलग कब्रिस्तान तो होते ही हैं। अपने को मुसलमानों का रहनुमा कहने वाले मुसलमान नेता पसमांदा मुसलमानों के मसलों को उठाने की जहमत नहीं दिखाते। अब तो उत्तर प्रदेश में कोई चुनाव भी नहीं आ रहे। इसके बावजूद राज्य सरकार का मुसलमानों के हक में आगे आना उन तमाम ज्ञानियों को एक संदेश देता है जो मोदी-योगी की आलोचना का कोई अवसर हाथ से नहीं जाने देते। उन्हें अपनी बीमार सोच को बदलना होगा। उन्हें आरोप तथ्यों के आधार पर ही लगाने चाहिए।

एक बार फिर से आम पर लौटते हैं। बात दशहरी की करेंगे। दशहरी आम उत्तर प्रदेश की शान है। यहां हर साल करीब 20 लाख टन दशहरी आम पैदा होता है। कहने वाले कहते हैं कि दशहरी आम का पहला पेड़ लखनऊ के पास काकोरी स्टेशन से सटे दशहरी गांव में लगाया गया था। इसी गांव के नाम पर इसका नाम दशहरी आम पड़ा। यूं तो उत्तर प्रदेश में 14 इलाकों में आम की खेती खासतौर पर होती है मगर मलिहाबाद इनमें सबसे खास है। मलिहाबाद में 30,000 हेक्टे यर के क्षेत्र में बस आम की खेती के लिए है। यहां का दशहरी, लंगड़ा, चौसा, रटौल वगैरह आम देश से बाहर भी जायें तो उन किसानों और उनके खेतों में दिन-रात काम करने वालों की मेहनत सफल होगी। हालांकि जिनको बेबुनियाद बातें करनी हैं उनकी जुबान पर ताला तो कभी नहीं लग सकता। सीधी सी बात ये है कि देश के सबसे पिछली पंक्ति में खड़े इंसान के चेहरे में मुस्कान आनी चाहिए। अगर आम के बहाने दीन-हीन भी खास हो सकता है तो इससे बेहतर कोई बात नहीं हो सकती।

जल-तंत्र के गिद्ध कहलाते हैं कछुए

सुनील कुमार महला

हर साल 23 मई को विश्व कूर्म (कछुआ) दिवस (वर्ल्ड टर्टल-डे) के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे जो कारण है वह है- कछुओं और दुनिया भर में उनके तेजी से गायब होते आवासों की रक्षा करना । यदि हम दूसरे शब्दों में कहें तो पूरी दुनिया मे कछुओं और उनके लगातार लुप्त हो रहे आवासों की रक्षा के लिए आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह दिन मनाया जाता है। आज भारत ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में कछुओं की संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसलिए इसके संरक्षण की आज बहुत आवश्यकता है। भारतीय हिंदू धर्म, संस्कृति में कछुए को बहुत ही महत्वपूर्ण व अहम् स्थान प्राप्त है। फेंगशुई, वास्तु में इसका बड़ा महत्व है, लोग कछुए की प्रतिमूर्ति अपने घरों में रखते हैं, इसे बहुत ही शुभ माना जाता है। जानकारी मिलती है कि कछुए लगभग 220 करोड़ वर्षों से वैश्विक पारिस्थितिक तंत्र के अभिन्न हिस्सा रहे हैं और कम से कम 400,000 वर्षों से मानव संस्कृति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय संस्कृति में कछुओं के महत्व का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इसे भगवान विष्णु के एक अवतार की मान्यता मिली हुई है। जानकारी देना चाहूंगा कि यह दिन वर्ष 2000 से 'अमेरिकी टोर्टोइस रेस्क्यू' द्वारा मनाया जा रहा है। यहाँ यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि 'अमेरिकी टोर्टोइस रेस्क्यू' वर्ष 1990 में कछुए की सभी प्रजातियों की सुरक्षा के लिए स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन(नॉन प्रोफिट ऑर्गेनाइजेशन) है। कछुए पृथ्वी के पारिस्थितिक डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सरीसृप दुनिया भर में विविध आवासों की एक श्रृंखला में जीवित रहने और पनपने के लिए जाने जाते हैं। यहाँ पाठकों को यह भी बता दूं कि वर्ष 2021 में विश्व कछुआ दिवस का विषय ह्लटर्टलस रॉकह्व रखा गया था। वर्ष 2022 में विश्व कछुआ दिवस की थीम ह्लशेलब्रेटह्व रखी गई थी, और विषय ह्लसभी को कछुओं से प्यार करने और बचाने के लिएह्व रखा गया था। पिछले वर्ष यानी कि वर्ष 2022 में 22 वां विश्व कछुआ दिवस मनाया गया था और इस वर्ष 23 वां विश्व कछुआ दिवस मनाया जाएगा। वैसे पाठकों को बताना चाहूंगा कि विश्व कछुआ दिवस वर्ष 2000 में कैलिफोर्निया के मालिबू में स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन अमेरिकी कछुआ बचाव (ए.टी.आर.) द्वारा शुरू किया गया था। अमेरिकी कछुआ बचाव(ए.टी.आर.) और विश्व कछुआ दिवस की स्थापना एक कपल सुसान टेललेम और मार्शल थॉम्पसन द्वारा की गई थी । वास्तव में, विश्व कछुआ दिवस दुनिया के सबसे पुराने जीवों में से एक, कछुए के प्रति सम्मान और ज्ञान बढ़ाने के लिए बनाया गया था। हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि कछुआ इस पृथ्वी पर लगभग डेढ़ सौ से दौ सौ बरस तक पृथ्वी पर सबसे अधिक दिनों तक जीवित रहने वाला बहुत ही पुराना व धीमी गति से चलने वाला जीव(ठंडे खून वाला प्राणी) माना जाता है। यदि हम वन्य जीव विशेषज्ञों की माने तो कछुओं की प्रजाति विश्व में सबसे पुरानी प्रजाति है और यह 200 मिलियन साल पुराना जीव है। दूसरे शब्दों में कहें तो कछुए इस धरती पर 20 करोड़ साल यानि डायनासोर काल से मौजूद हैं। कछुए का वैज्ञानिक नाम टेस्टुडाइन है। हमारे देश में मीठे पानी के कछुओं और अन्य प्रकार के कछुओं की 29 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। जानकारी मिलती है कि सांप, चिड़िया और छिपकली के पहले से ही कछुआ इस धरती पर अस्तित्व में आ चुका था। वास्तव में, कछुआ के पास एक ऐसा सुरक्षा कवच होता है जिसकी वजह से वह खुद को सुरक्षा प्रदान करते हैं और लंबे समय तक जीवित रहते हैं। जानकारी मिलती है कि सबसे अधिक वर्षों तक जीवित रहने वाला कछुआ हनाको कछुआ था, यह लगभग 226 वर्षों तक जीवित रहा था, और इसकी मृत्यु 1977 में हुई थी।

हेरिएट नाम का एक कछुआ था, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह मूल रूप से 1835 में चार्ल्स डार्विन द्वारा खोजा गया था और बाद में ऑस्ट्रेलिया के चिड़ियाघर में लाया गया था और इसकी मृत्यु 2006 में हुई और उस समय उसकी उम्र 175 साल थी।

पूछना बेकार है

डॉ. सुरेश कुमार

जनता से कुछ नहीं पूछना चाहिए। वह हमेशा भीतर से भेड़ और बाहर से महंगाई के खिलाफ होती है। विपक्षी दल से पूछा गया तो उनके एक नेता ने कहा - मैंने ही तो सबसे पहले यह मुद्दा उठाया था। उसने सत्तारूढ़ दल से भी पूछ लिया। उन्होंने कहा - हम आजादी के बाद से ही इसके खिलाफ कटिबद्ध हैं। अतिशीघ्र हम एक बिल ला रहे हैं। सत्तारूढ़ दल विपक्ष से कम उत्साहित थोड़े न था। उसने अपने गठबंधन दलों से पूछ लिया। वे भी कौन से दूध के धुले थे। कह दिया - महंगाई को जड़ से मिटाना ही चाहिए। सबने एक स्वर से कहा। उसने किसानों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। जवानों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। पुलिस से पूछा, वह भी खिलाफ थी। उसने चोर, डाकुओं, लुटेरों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। उसने पेट्रोल से पूछा, वह भी खिलाफ था। उसने डीजल से पूछा, वह भी खिलाफ था। उसने गैस सिलेंडर से पूछा, वह भी खिलाफ था। मुद्रा से पूछा, वह भी खिलाफ थी। क्या ठोस, क्या द्रव्य, क्या गैस सारा देश महंगाई के खिलाफ धरने पर था। कमाल का माहौल दिख रहा है! वह बुदबुदाया। आप भी आइए न बहिन जी, क्या आप महंगाई के खिलाफ नहीं हैं। एक प्रदर्शनकारी ने उससे कहा। "बिलकुल हूँ, मैं क्या देश से अलग हूँ आपसे अलग हूँ।" उसने पूरी विनम्रता से कहा। हाँ, लगती तो बिलकुल हमारी जैसी हो। आओ बैठो न हमारे साथ - लोगों ने मिलकर कहा। वह आराम से उनके बीच जा बैठी। बातचीत होने लगी। उसने कुछ नए नारे भी बनाए। थोड़ी ही देर में लगने लगा कि वह उनसे अलग कभी थी ही नहीं। आपका नाम क्या है बहिन जी? यूँ ही किसी ने पूछ लिया। "महंगाई" उसने, निडर होकर जवाब दिया। पहले तो किसी ने ध्यान न दिया। "क्या" एकाएक कोई चौंका। यह वक्त इन बातों को सोचने का नहीं कि कौन क्या है, हर किसी का समर्थन कीमती है झ किसी ने भीड़ में से कहा और बहस शुरू हो गई। नहीं-नहीं, ऐसा कैसे हो सकता है? निकालो इस कुलक्षणा को यहाँ से - रोष से जिसने यह कहा था वही हैरानी से बोला - अरे! पर वह गयी कहाँ? अभी तो यहीं थी! मैंने अभी उसे विपक्षी दल के पास बैठे देखा था झ सत्ता दल के एक नेता ने कहा। ऐसा कैसे हो सकता है! बिलकुल अभी मैंने उसे मंच पर देखा झ विपक्षी नेता आँखें दिखाते हुए कहने लगा। पागल हो गए हो क्या? वह गठबंधनधारियों के बीच है, जाकर पकड़ो उसे।

डॉ ऋषि का मामला न्यायालय ने किया खारिज, दलाल के मंसूबे हुए ध्वस्त, स्कूल संचालक हुआ पस्त

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एक स्कूल संचालक ने तथाकथित दलाल से मिलकर डॉ ऋषिकुमार को बहला-फुसलाकर मीडिया कर्मियों समेत जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ सुधीर शर्मा के खिलाफ तीन अप्रैल 2023 को विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं जनजाति न्यायालय में मुकदमा कायम करने को आवेदन किया था। 15 मई को विशेष न्यायाधीश दीपनारायण तिवारी ने डॉ ऋषिकुमार की मंशा भांपते हुए मामला खारिज कर दिया है।

सोमवार को मामला खारिज होने की जानकारी हुई। बताया गया कि एक स्कूल संचालक ने अपने दलाल के माध्यम से डॉ ऋषिकुमार से मीडिया कर्मियों समेत जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ सुधीर कुमार शर्मा के खिलाफ विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं जनजाति की अदालत में मामला तीन अप्रैल को दायर किया था। इसमें स्कूल संचालक मीडिया कर्मी राजेन्द्र पाण्डेय से स्कूल के खिलाफ छपी खबरों से खफा थे। एक दलाल को लगाकर डॉ ऋषिकुमार को बरगलाकर अदालत तक ले आये।

अदालत में डॉ ऋषिकुमार के साथ अधिवक्ता अशोक गुप्ता हाजिर थे। विशेष न्यायाधीश दीपनारायण तिवारी ने आदेश में कहा कि कोतवाली कर्वी पुलिस ने सूचना दी है कि थाने में कोई मामला दर्ज नहीं है। अधिवक्ता के तर्क थे कि मामला दर्जकर जांच के आदेश दिये जायें। आठ मई को विशेष न्यायाधीश ने तर्कों को समझ लिया है। न्यायाधीश ने डॉ ऋषिकुमार की मंशा सीएमएस डॉ सुधीर कुमार शर्मा को दबाव में लेने को भांप लिया। ऐसे में डॉ शर्मा के खिलाफ कोई अनुतोष पाने का अधिकारी नहीं पाया। शेष अनावेदकगण राजेन्द्र पाण्डेय व सुरेन्द्र कछवाह के विरुद्ध भी कोई अनुतोष नहीं प्राप्त कर सकता। उन्होंने शिखर न्यायालय के प्रियंका श्रीवास्तव बनाम उप्र राज्य सरकार 2018 का हवाला देते हुए आवेदन पत्र निरस्त कर दिया है। पत्रावली समयावधि के भीतर अभिलेखागार में संचित करने के आदेश दिये हैं।

गैंगेस्टर में बन्द हरीमोहन के बेटे ने लगाई प्रशासन से गुहार, उत्पीडन बन्द न होने पर करेंगे आत्मदाह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के गैंगेस्टर मामले में जेल में बन्द हरीमोहन यादव के पुत्र राहुल यादव ने पत्रकारों से कहा कि शासन-प्रशासन परिजनों का उत्पीड़न-शोषण कर रहा है। राजनैतिक व व्यवसायिक विरोध तथा रंजिशन विपक्षियों के इशारे पर पुलिस व राजस्व अधिकारियों से रिश्तेदारी खोलकर उनके माध्यम से उन पर कार्यवाही की जा रही है।

राहुल यादव ने बताया कि तीन दिसम्बर 2022 को पुलिस से मिलीभगत करके फर्जी गैंगस्टर एक्ट लगाकर उसके पिता व परिजनों को जेल भेजा गया है। 23 जनवरी 2023 को बिना किसी नोटिस के घर आदि ध्वस्त कर दिया। उसके पिता व मां ग्राम पंचायत लोढ़वारा में बीते 15 वर्षों से प्रधान रहे हैं। अन्य खनिज ठेकेदार व अन्य राजनैतिक व समाज सुधार के कार्य करते रहे हैं। विरोधियों ने राजनैतिक द्वेषवश फर्जी मुकदमे लिखवाये हैं। जिनमें ज्यादातर मुकदमों से न्यायालय ने बरी कर दिया है। बीती 28 अप्रैल 2023 को मेहनत-मजदूरी से खरीदी संपत्ति को भी जब्त कर लिया है। बचे हुए घरों को तोड़ने की तैयारी की जा रही है। उसने जिला प्रशासन से गुहार लगाई कि उनका उत्पीड़न रोका जाए। अन्यथा वह आत्मदाह को मजबूर हो जाएंगे।

पेशवाकालीन पुरानी कोतवाली अंततः प्रशासन ने कराई खाली, अवैध कब्जेधारकों के पहले से बने हैं कर्वी में घर, महिला थाना हटा, सब रजिस्ट्रार कार्यालय भी हटेगा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पिछले करीब तीन दशक से मुख्यालय कर्वी में अतिक्रमण की शिकार ऐतिहासिक पेशवा कालीन पुरानी कोतवाली भवन को आखिरकार प्रशासन ने खाली करा लिया है। यहां पर अवैध ढंग से कब्जे करके रहने वाले 37 लोगों को प्रशासन ने चार माह पहले नोटिस दी थी। फिर भी वह खाली करने को तैयार नहीं थे।

रविवार को एसडीएम व सीओ सिटी की अगुवाई में पहुंची टीम ने जेसीबी से कई हिस्से ढहा दिए। अतिक्रमणकारियों ने आनन-फानन में अपना सामान समेट लिया। अंग्रेजी हुकूमत के पहले यहां पर पेशवाओं का शासन रहा है। विनायक राव पेशवा ने ऐतिहासिक गणेशबाग के साथ ही इस भवन का निर्माण कराया था। यह पेशवाओं का महल रहा है। बाद में अंग्रेजों ने पेशवाओं को गिरफ्तार करने के बाद महल पर कब्जा कर लिया था। इस भवन में अंग्रेजी हुकूमत के समय कोतवाली चलती रही है। जब देश आजाद हुआ तो यहीं पर थाना चलता रहा। इसी भवन में सीओ आवास रहा है। पुलिस महकमे के ज्यादातर लोग यहीं पर आवास बनाकर रहते रहे। अन्य विभागों के कर्मचारियों ने भी कब्जे कर लिए। पिछले करीब ढाई दशक से यहां पर अवैध कब्जे कर लोग रहते चले आ रहे है। प्रशासन ने कई बार अवैध कब्जाधारकों को नोटिस जारी की, लेकिन किसी ने खाली नहीं किया। जनवरी माह में प्रशासन ने यहां पर अवैध कब्जाधारक 37 लोगों को नोटिस जारी कर सख्त हिदायत भवन खाली करने का अल्टीमेटम दिया था। हर बार की तरह अतिक्रमणकारियों ने खाली करने में चार माह से अधिक का समय बिता दिया। रविवार को एसडीएम सदर राजबहादुर, सीओ सिटी हर्ष पांडेय की अगुवाई में तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत पुलिस बल जेसीबी लेकर पहुंचा। ज्यादातर अतिक्रमणकारियों के गेट ढहा दिए। कई लोगों के यहां बनी चहारदीवारी ढहा दी गई। अतिक्रमणकारियों में हडकंप मच गया। कुछ लोगों ने आगे आकर मोहलत मांगी। इसी बात पर नोकझोक भी हुई। प्रशासन ने हर हाल में शाम तक भवन खाली करने की चेतावनी दी। नतीजतन आनन-फानन में लोगों ने अपना सामान निकालना शुरू किया। ट्रैक्टर, ई-रिक्शा, लोडर आदि से देर शाम तक अतिक्रमणकारी अपनी गृहस्थी समेटने में जुटे रहे। करीब डेढ़ दर्जन लोगों ने शाम तक पुरानी कोतवाली पूरी तरह खाली कर दिया है।पुरानी कोतवाली भवन में अवैध कब्जाधारक ज्यादातर लोग सामर्थ्यवान है। कुछ सरकारी महकमों में कार्यरत रहे तो कुछ पुस्तैनी तौर पर आर्थिक रूप से मजबूत है। ज्यादातर ने दूसरी जगह जमीनें लेकर निजी मकान भी बना लिए है। फिर भी यहां पुरानी कोतवाली भवन में अवैध कब्जों को खाली नहीं कर रहे थे।

पुरानी कोतवाली भवन के भीतर संचालित महिला थाना भी प्रशासन ने आनन-फानन में हटाया है। अब महिला थाना कालूपुर पाही में सीओ सिटी कार्यालय के बगल में चलेगा। अभियान दौरान आनन-फानन पुलिस महकमे ने कई गाडियां भेजी है। महिला थाने का सामान लादकर कालूपुर पहुंचाया गया। भवन के दक्षिणी हिस्से में सब रजिस्ट्रार कार्यालय है। जिला प्रशासन ने इस कार्यालय को जमीन उपलब्ध करा दी है। फिलहाल वैकल्पिक तौर पर स्थाई भवन निर्माण होने तक कलेक्ट्रेट के पास बने अधिवक्ता भवन को प्रशासन ने उपलब्ध कराया है। ऐसे में जल्द ही इसके भी यहां से हटने की संभावना है।

वसूली में लायें तेजी, लक्ष्य के सापेक्ष करें वसूलीः डीएम

डीएम ने कर-करेत्तर, राजस्व वसूली की बैठक में दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने कर-करेत्तर राजस्व वसूली एवं चकबंदी कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक में व्यापार कर, परिवहन, आबकारी, विद्युत, खनन, तहसीलदारों के आरसी वसूली, बैंक, सिंचाई, मंडी, नगर पालिका, स्टांप आदि विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन से निर्धारित वसूली लक्ष्य के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति कराएं।

सोमवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने उप जिलाधिकारियों से कहा कि मंथन कर जो कनेक्शन अवैध हैं, उसे डिस्कनेक्ट कराएं, ताकि बिजली का लोड कम हो और राजस्व में वृद्धि हो। अपने एसडीओ के साथ अभियान चलाकर चेकिंग करें। बड़े बकायेदारों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई करें। सभी तहसीलदारों पर खफा होते हुए अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि जो तहसीलदार राजस्व वसूली में आनाकानी करते हैं, उनका वेतन रोके। विद्युत विभाग से तालमेल बनाकर मई के अंत तक वसूली में सुधार करायें। अन्यथा कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि विद्युत की आरसी वसूली शत-प्रतिशत अगली बैठक तक सुनिश्चित करायें। बैंक, खनन अन्य विभागों की वसूली को भी बढ़ायें। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने एडीएम को निर्देश दिये कि नगर पालिकाओं का लक्ष्य और बढ़ायें। लक्ष्य के सापेक्ष अधिकतम वसूली भी करायें। अधिशासी अधिकारी कर्वी को निर्देश दिये कि कोठी तालाब के पास व रामघाट के पास चिन्हित वाहन पार्किंग को जमीन खाली कराकर उस पर पार्किंग बनवायें। अविवादित वरासत का भी अभियान चलाकर निस्तारण करायें। कोई समस्या हो तो नायब तहसीलदार, तहसीलदार, उप जिलाधिकारी को सूचना दें। पांच व दस वर्षों दौरान गांव सभा की जमीन पूर्व में किसी के नाम हो गई हो तो उसमें भी कार्यवाही कर सही कराया जाए। पुराने वादों का निस्तारण कराएं। गांव सभा की जमीन पर किसी भी तरह का कब्जा नहीं होना चाहिए। प्रभावी कार्यवाही करके कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि खनिज अधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारियों के साथ चेकिंग करके अवैध खनन व ओवर लोडिंग के खिलाफ कार्यवाही कराएं। किसी भी दशा में जिले में अवैध खनन नहीं होना चाहिए। बैठक में एडीएम कुंवर बहादुर सिंह, उप जिला अधिकारी कर्वी राजबहादुर, मऊ नवदीप शुक्ला, राजापुर प्रमोद कुमार झा, डीसी वाणिज्य कर आरके सोनी, जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रदीप कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत आरएसके वर्मा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी लालजी यादव, मानिकपुर राम आशीष वर्मा, राजापुर बीएन कुशवाहा समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चलते ट्रैक्टर में बालिका का यौन शोषण करने वाले को 20 साल की कैद

घटना के 42वें दिन पीड़िता को मिला न्याय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चलते ट्रैक्टर में अनुसूचित जाति की नाबालिग बालिका का यौन शोषण करने के मामले में न्यायालय ने आरोपी को 20 वर्ष कारावास और एक लाख रुपये के जुमार्ना से दण्डित किया है। अभियोजन पक्ष और पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते घटना के 42वें दिन पीड़िता को न्याय मिल गया है। आरोप पत्र दाखिल होने के मात्र 27 दिन बाद विशेष न्यायाधीश ने इस मामले में फैसला सुनाया है। सोमवार को अभियोजन अधिकारी सिद्धार्थ आनंद और विशेष लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि बीती 10 अप्रैल 2023 को पहाड़ी थाने में अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति ने नांदी गांव के निवासी मुन्ना पुत्र जगदीश के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वादी के अनुसार घटना के दिन पहाड़ी थाना क्षेत्र के नांदी निवासी दबंग मुन्ना पुत्र जगदीश उसके खेत में भूसा व गेहूं का भाड़ा लेने गया था। खेत से चलते समय आरोपी ने वादी की पुत्री को टैज्क्टर में बैठा लिया। उन्हें सड़क से बैठाने की बात कहकर भाग आया। आरोपी ने लड़की के साथ अश्लील हरकते की और पांच रुपये का लालच देते हुए हरकतों के बारे में किसी से न बताने की बात कही। लड़की ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई। पुत्री के शोषण और जातिगत उत्पीड़न का उलाहना देने को वह लोग आरोपी के घर गए तो वहां भी उन्हें जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। प्रार्थना पत्र देने पर धमकी दी गई। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया। तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर 15 दिन में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोप पत्र दाखिल होने के मात्र 27 दिन बाद बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीले सुनकर विशेष न्यायाधीश विनीत नारायण पाण्डेय ने इस मामले में सोमवार को निर्णय सुनाया। धारा 5(ड)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत दोषसिद्ध होने पर आरोपी मुन्ना को 20 वर्ष कारावास और एक लाख रुपये के जुमार्ना से दण्डित किया। इस प्रकार घटना के 42वें दिन पीड़िता को विशेष न्यायाधीश ने न्याय प्रदान किया।

अमृत सरोवर के नाम पर ठिकाने लग रहा सरकारी धन, पथरौडी गांव का मामला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी ब्लाक में अमृत सरोवर के नाम पर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। प्रदेश व केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक अमृत सरोवर जिसे गांव का जीवन कहा जाता है। ऐसे सरोवर के नाम पर पथरौड़ी गांव में अमृत सरोवर बनाकर जल स्तर सुधारने-बढाने एवं वाटर लेवल को दुरुस्त रखने की योजना बनाई गई थी। अमृत सरोवर के नाम पर सरकारी धन का बंदरबांट हो रहा है।

सोमवार को कर्वी ब्लाक के पथरौडी गांव के अमृत सरोवर की पोल ग्रामीणों ने खोली। ग्रामीणों ने कहा कि अमृत सरोवर में गुणवत्ता नाम की कोई चीज नहीं है। अमृत सरोवर के नाम पर घोटाले की कहानी रची जा रही है। कर्वी ब्लाक के पथरौडी गांव में तय मानक के अनुसार खडंजा नही बिछाया जा रहा। न ही उचित आधार पर सामग्री लग रही। पहाड़ों की डस्ट और खराब सामग्री का भरपूर इस्तेमाल हो रहा है। भ्रष्टाचार की दास्तान लिखी जा रही है।

ग्रामीणों ने इसकी शिकायत अवर अभियंता से की है। देखना है कि अवर अभियंता अपनी क्या भूमिका निभाता है। अमृत सरोवर के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोक पाता है या फिर यह सरोवर भी अन्य योजनाओं की भांति भ्रष्टाचार की भेट चढ़ जायेगा।

आयुष्मान कार्ड बनाने में लापरवाही करने वालों के काटें वेतनः डीएम

कलेक्ट्रेट में की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने आयुष्मान कार्ड भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड की प्रगति बाबत ब्लॉक वाइज व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बनाए आयुष्मान कार्ड की समीक्षा कर जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया है कि जितने कोटेदार है, उनसे सहयोग लेकर अंत्योदय कार्ड धारकों पर विशेष फोकस करें। मऊ, रामनगर के खंड विकास अधिकारियों के कम कार्ड बनाए जाने पर रोष जताया। सोमवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इसमें प्रगति कराएं। संबंधित अधिकारी कार्य नहीं कर रहे तो वेतन काटें। किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। रोजगार सेवकों की आईडी भी तैयार की जा रही है, ताकि कार्य में गति आए। आशा को भी लगाकर कार्य कराएं। खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रधानों से कहे की टेन्ट लगाकर गांवों में ग्रामीणों को उत्साहित करें। खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि एक कर्मचारी रखें। जो पंचायत सहायकों को कॉलकर स्थिति पता करते रहें। उन्होंने सीडीओ से कहा कि जो पंचायत सहायक कार्य नहीं कर रहे, उनका वेतन काट ले। जिस तरह से ब्लॉक वाइज समीक्षा करते हैं, उसी तरह से गांव वाईज समीक्षा करें। जिले में प्रतिदिन लगभग दो हजार कार्ड बनवाएं, ताकि जल्द लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, सीएमओ भूपेश द्विवेदी, पीडी ऋषिमुनि उपाध्याय, डीडीओ राजकुमार त्रिपाठी, एसीएमओ इम्तियाज अहमद, सीएमएस डॉ सुधीर कुमार शर्मा, डीपीआरओ कुमार अमरेंद्र व बीडीओ आदि मौजूद रहे।

कोटेदारों को डिजिटल सेवा का दिया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संचालित कामन सर्विस सेन्टर डिजिटल सेवा केन्द्रों में आम लोगों को शासकीय सेवायें मिल रही हैं। आयुक्त खाद्य रसद विभाग के निर्देश पर उचित दर विक्रेताओं आर्थिक आय में वृद्धि करने की गरज से राशन कार्ड सेवाओं को उचित सेवा को कोटेदारों को सक्षम बनाने को कामन सर्विस सेन्टर के रूप में पंजीकृत किया जा रहा है। सोमवार को उचित दर विक्रेताओं को तहसील परिसर स्थित जिला पूर्ति कार्यालय में डिजिटल सेवा पोर्टल का प्रशिक्षण दिया गया। शेष उचित दर विक्रेताओं को नाम आदि सही कराने को डाटा तैयार कर सीएससी मुख्यालय भेजा गया है। इस मौके पर जिला समन्वयक बदरूददीन खान ने बताया कि शासन की मंशा है कि उचित दर राशन वितरकों के दुकानों से भी आम लोगों को सरकार की सारी योजनाओं का लाभ मिल सके। आमजन की पहुंच सरकार तक आसान हो सके। हर ग्राम पंचायत में डिजिटल सेवा केन्द्र हैं। कोटेदारों को कामन सर्विस सेन्टर बनाकर राशन लेने आने वाले लोगों को सरकार की अन्य योजनायें आयुष्मान भारत कार्ड, बिजली बिल, ई-श्रम कार्ड, अन्य रिचार्ज सेवायें, पासपोर्ट सेवा, रेल टिकट बुकिंग, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान आदि लगभग सौ सेवायें डिजिटल सेवा पोर्टल से आमजन को दिया जा सकता है। इस मौके पर जिला प्रबंधक अतुल कुमार ने बताया कि कोई भी उचित दर विक्रेता सीएससी केन्द्र लेने को पंजीकरण कराने को जिला स्तरीय पदाधिकारी बदरूददीन खान जिला समन्वयक व अतुल कुमार जिला प्रबंधक से सम्पर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं। उनको अपना डाउनलोडेड आधार कार्ड, फोटो, पैन कार्ड व कैंसिंल चेक तैयार रखना होगा। दूसरी ओर जिला प्रबंधक अतुल कुमार ने उचित दर विक्रेताओं को लैपटाप से सीएससी आईडी को रजिस्ट्रेशन कैसे करना है, इसकी पूरी जानकारी दी।

भारत को विश्व गुरु बनाने को सभी भाजपाई हों एकजुटः प्रकाश

- कार्यकर्ता ही पार्टी की पूंजी हैं-2024 में भाजपा सरकार बनाने का लें संकल्प

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन क्षेत्रीय अध्यक्ष का भाजपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की पूंजी होते हैं।

सोमवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रका खरे की अगुवाई में रामायणी कुटी मे भगवताचार्य श्री श्री 108 स्वामी रामहृदय दास श्रीधाम चित्रकूट के आश्रम में पहुंचकर आशीर्वाद लिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सियाराम कुटी मे नानाजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। पूर्व जिलाध्यक्ष मदन गोपाल शुक्ला के आवास जाकर हाल जाना। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल का भाजपाइयों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

भ्रमण दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओ से कहा कि कार्यकर्ता संगठन की पूंजी होती हैं। कार्यकर्ता गाडी मे लगी उस धुरी की तरह होते हैं, जिसके बिना न तो गाडी चल सकती है न टिक सकती है। वैसे ही कार्यकर्ताओ के बिना न तो कोई संगठन चल सकता हैं और न ही उस संगठन का वजूद ज्यादा दिनो तक रह सकता है। भाजपा देश और प्रदेश में लगातार बन रही सरकारो का श्रेय कार्यकर्ताओ को है। कार्यकर्ताओ के अथक और निस्वार्थ परिश्रम से ही भाजपा सभी चुनावो मे जीत रही है। कार्यकर्ताओ की बदौलत भाजपा देश ही नही दुनिया की सबसे बडी राजनैतिक पार्टी के रुप में जानी जाती है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि व्यक्ति से बडा दल है और दल से बडा देश। अतः कोई भी अपने को इनसे बडा न समझे। जनसेवा के भावना से बिना किसी निजी हित को देखते हुये राष्ट्रसेवा की भावना के सकल्प के साथ काम करते रहिये। संगठन सम्मान का पूरा ख्याल रखेगा। सबको अपने निजी स्वार्थो को भुलाकर भारत को एक बार फिर से विश्व गुरु बनाने को मिलकर काम करना होगा। 2024 मे फिर से भाजपा की सरकार बनाने का काम करना होगा। इसी सकल्प के साथ सबको लगकर पार्टी के दिये कामो को करने के साथ जनता के बीच मे जाकर उनके सुख-दुख मे सहभागी बनना होगा। इस मौके पर सांसद आरके सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, देव त्रिपाठी, लवकुश चतुवेर्दी, राजीव त्रिपाठी, अश्वनी अवस्थी, अरविंद मिश्रा, शिवशंकर सिह, अर्जुन शुक्ला, सुमित मिश्रा, रवि गुप्ता, बृजेन्द्र शुक्ला, मनोज तिवारी, कैलाश मिश्रा, महेन्द्र कोटार्य, मनोज गर्ग, राजेश जयसवाल, अंजू बर्मा, मौजीलाल पाल आदि मौजूद रहे।

32 क्वार्टर शराब समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में थानाध्यक्ष सरधुवा प्रवीण सिंह की अगुवाई में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने एक के कब्जे से 32 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है।

सोमवार को दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने सचिन कुमार पुत्र स्व हुबलाल निवासी देवारी के कब्जे से 32 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियन के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी, सिपाही ललित सोनी, महिला सिपाही रचना प्रजापति शामिल रहे।

द्वीपीय देशों से सहयोग की पहल, मोदी ने बढ़ाया दोस्ती की तरफ मजबूत कदम

पोर्ट मोर्सबी। पापुआ न्यू गिनी में फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स को-ऑपरेशन की बैठक भारत की ओर से द्वीपीय देशों के साथ सहयोग की अनूठी पहल साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन देशों की ओर दोस्ती का एक मजबूत कदम बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान में जी-7 और क्वाड बैठकों में शामिल होने के बाद पापुआ न्यू गिनी पहुंचे हैं। यहां उन्हें हिंद-प्रशांत क्षेत्र के द्वीपीय देशों के बीच सहयोग के लिए गठित संगठन फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स को-ऑपरेशन (एफआईपीआईसी) के तीसरे शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

इस दौरान मोदी ने प्रशांत क्षेत्र के कई देशों के नेताओं से मुलाकात की। भारत उन देशों के बीच अपने रिश्तों की नई इबारत लिख रहा है। पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर-जनरल सर बॉब डाडे से मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-पापुआ न्यू गिनी संबंधों के बीच विकास साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने पापुआ न्यू गिनी में 'थिरुक्कुरल' पुस्तक के टोक पिसिन अनुवाद का विमोचन किया।

एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी राबुका से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भारत और फिजी के रिश्ते समय के साथ खरे उतरे हैं। आने वाले समय में इन रिश्तों को और मजबूत करने के लिए दोनों देश मिलकर काम करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावारे के साथ मुलाकात की। मोदी ने इस मुलाकात को शानदार करार दिया। समोआ के प्रधानमंत्री फियामे नाओमी मताफा के साथ चर्चा के दौरान मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। दोनों देशों ने रिश्तों के विस्तार के तरीकों पर भी विचार विमर्श किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि जापान से पापुआ न्यू गिनी तक बातचीत जारी है। सम्मेलन में कुक आइलैंड्स के पीएम मार्क ब्राउन को फिर से देखकर अच्छा लगा। मोदी ने पैसिफिक आइलैंड्स फोरम के महासचिव हेनरी पुना से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उनकी आज किरिबाती गणराज्य के राष्ट्रपति तनेती मामाउ के साथ शानदार बातचीत हुई। आगे उन्होंने कहा कि हमने दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मार्शल आइलैंड्स गणराज्य के मंत्री कितलांग कबुआ से भी मुलाकात की।

भारतीय उच्चायोग ने ब्राइटन बीच पर चलाया सफाई अभियान, वैश्विक ध्यान आकर्षित करने पर जोर

लंदन। भारतीय उच्चायोग लंदन द्वारा ब्राइटन बीच पर एक स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्थानीय समुदाय की भारी भागीदारी देखी गई। इस दौरान ब्राइटन और होव नगर परिषद के मेयर के साथ भारतीय राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ जी20 मेगा बीच स्वच्छता रखने की प्रतिज्ञा भी ली।

तटीय स्वच्छता का यह कार्यक्रम भारत के त20 प्रेसीडेंसी के हिस्से के रूप में किया गया था। ऐसी गतिविधियों के आयोजन के पीछे का उद्देश्य तटीय और समुद्री प्रदूषण से निपटने की आवश्यकता और नागरिकों की भूमिका और उनकी भागीदारी पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करना है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार मेगा बीच क्लीन अप इवेंट का उद्देश्य पर्यावरण पर समुद्री कचरे के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इसे रोकने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के माध्यम से इस पर्यावरणीय चुनौती को कम करने में व्यक्तिगत प्रयासों और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

गौरतलब है कि यह आयोजन इसी साल 21 मई को वैश्विक स्तर पर किया गया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस कार्यक्रम में 20 देशों से उत्साही भागीदारी देखी गई। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके और यूएस जी20 देश हैं। इनके अलावा मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान और सिंगापुर छह आमंत्रित देश हैं।

पाकिस्तान में हिंसा के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू, मिलिट्री कानून के तहत होगी कड़ी कार्रवाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सेना के चीफ जनरल आसिम मुनीर का कहना है कि बीते दिनों हुई हिंसा के आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। जनरल मुनीर ने कहा कि हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ मिलिट्री कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि बीती 9 मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में जगह जगह उनके समर्थक उग्र हो गए थे और हिंसा हुई थी। इस हिंसा में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

आजीवन कारावास की हो सकती है सजा

पाकिस्तानी सेना के जनरल आसिम मुनीर लाहौर पहुंचे थे। इस दौरान जनरल आसिम मुनीर ने सेना के अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंसा की साजिश रचने वाले और इसे अंजाम देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। आरोपियों के खिलाफ आर्मी एक्ट और सीक्रेट एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि इस कानून के तहत दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास से लेकर सजा ए मौत तक की सजा का प्रावधान है।

इमरान की गिरफ्तारी पर भड़की थी हिंसा

बता दें कि 9 मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद गुस्साए लोगों ने पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी स्थित मुख्यालय, लाहौर में कॉर्प्स कमांडर के घर और फैसलाबाद में आईएसआई की इमारत पर हमला किया था। हिंसा में जगह जगह आगजनी और फायरिंग हुई। हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और सेना ने इसे देश के इतिहास में काला दिन करार दिया था। जनरल मुनीर ने बाद में लाहौर में हिंसाग्रस्त जगहों का दौरा भी किया। पाकिस्तानी सैन्य चीफ ने कहा कि देश की जनता, सुरक्षा बलों की ताकत है और सेना और जनता के बीच किसी भी तरह के मतभेद पैदा करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरों और प्रोपेगैंडा के जरिए भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है लेकिन ऐसी किसी भी कोशिश को पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

SpaceX ने निजी उड़ान के तहत सऊदी अरब के अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष स्टेशन रवाना किया

केप केनवरल। 'स्पेसएक्स' के निजी रॉकेट ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी। रॉकेट में सऊदी अरब की अंतरिक्ष यात्री रय्याना बरनावी भी सवार हैं। वह दशकों बाद अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरने वाली सऊदी अरब की पहली अंतरिक्ष यात्री हैं।

इसके अलावा अपनी खदु की स्पोर्ट्स कार 'रेसिंग' टीम शुरू करने वाले टेनेसी के एक कारोबारी जॉन श्नॉफर भी रॉकेट में सवार है। इन अंतरिक्ष यात्रियों की अगुवाई नासा की सेवानिवृत्त अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिट्सन कर रही हैं, जो फिलहाल 10 दिन की इस यात्रा का प्रबंध करने वाली कंपनी में काम कर रही हैं। फाल्कन रॉकेट नेदोपहर इन यात्रियों के लेकर नासा के केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी।

इमरान खान को कल इस्लामाबाद में अपनी गिरफ्तारी का अंदेशा, कहा-80 फीसद चांस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंदेशा जताया है कि उन्हें कल (मंगलवार) इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया जा सकता है। खान ने कहा इसके 80 फीसद चांस हैं। उन्होंने यह दावा वैश्विक संचार माध्यमों को दिए साक्षात्कार में किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि बावजूद इसके वो 23 मई को अल कादिर ट्रस्ट केस की जांच में शामिल होने के लिए इस्लामाबाद जाएंगे। वह अदालत में भी पेश होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री खान ने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन ने उन्हें राजनीतिक परिदृश्य से हटाने की कसम खा ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुल्क के पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने उनकी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया। इमरान खान ने कहा वह

मंगलवार को विभिन्न केसों में जमानत के लिए इस्लामाबाद की अदालत में पेश होंगे। वह महसूस कर रहे हैं कि इस दौरान उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अब तक पीटीआई के शीर्ष नेताओं और महिलाओं समेत 10 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इमरान खान ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को सूचित किया है कि वह मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे अल कादिर ट्रस्ट मामले की जांच में शामिल होने के लिए पेश हो सकते हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि ब्यूरो पूर्वोक्त समय की पुष्टि करे।

चीन ने संबंध न बिगाड़ने की दी धमकी, तो जापान ने दिया मुंहतोड़ जवाब, कहा- पहले व्यवहार में लाओ परिवर्तन

बीजिंग। चीन का जब मन करता है, तब किसी भी देश को धमकी दे देता है। अब ड्रैगन ने जापान को धमकी दे डाली है। उसने कहा कि संबंधों को बिगाड़ने का काम न करें। हालांकि, जापान ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया है। बता दें, चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदॉन्ग ने ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन में चीन से संबंधित मुद्दों के बारे में दिए गए बयान पर विरोध दर्ज कराने के लिए जापानी राजदूत को तलब किया है। बता दें, इससे पहले चीनी दूतावास ने लंदन से कहा था कि वह चीन-ब्रिटेन संबंधों को नुकसान से बचाने के लिए चीन की बदनामी करना बंद करे।गौरतलब है, जापान के हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। इस दौरान दुनिया के प्रमुख लोकतंत्रों के प्रमुखों ने पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के साथ-साथ तिब्बत और झिंजियांग सहित चीन में मानवाधिकारों की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की थी। चीन के उप विदेश मंत्री का कहना है कि जापान ने जी 7 शिखर सम्मेलन में अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को बदनाम करने की कोशिश की है। साथ ही उसने अन्य देशों की मदद से चीन पर हमला करने के साथ ही उसके आंतरिक मामलों में व्यापक रूप से हस्तक्षेप किया है। वहीं, 1972 के चीन-जापान संयुक्त वक्तव्य का जिक्र करते हुए सन ने कहा कि जापान ने जी7 के शिखर सम्मेलन के दौरान अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

महासचिव गुतारेस ने भी किया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का किया समर्थन

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी किया है। गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, वर्ष 1945 के हिसाब से शक्तियों के वितरण को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि अब समय की वास्तविकताओं से अलग शक्तियों को फिर से बांटने की आवश्यकता बढ़ गई है। हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार समय की मांग है। यह अनिवार्य रूप से आज की दुनिया की वास्तविकताओं के अनुरूप सत्ता के फिर से बंटवारे का सवाल है। हिरोशिमा में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की नवीनतम टिप्पणी से 15 देशों वाली सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता को बल मिला है। सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की मांग करने वालों में भारत सबसे आगे रहा है। माना जाता है कि सुरक्षा परिषद वर्तमान चुनौतियों से निपटने में असफल रही है। हिरोशिमा में जी7 सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सवाल उठाया कि जब इन चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र का गठन किया गया था तो विभिन्न मंचों को शांति और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श क्यों करना पड़ा।

पिछले महीने, संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा था कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर का एक संस्थापक हस्ताक्षरकर्ता है। इस चार्टर पर 26 जून, 1945 को सैन फ्रांसिस्को में

हस्ताक्षर किए गए थे। कंबोज ने कहा था, 77 साल बाद, जब हम यह देखते हैं कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को वैश्विक निर्णय लेने से बाहर रखा जाता हैं, तो हमें सुधारों की जरूरत महसूस होती है।

जेलेंस्की ने कहा, बखमुत अब बस हमारे दिलों में है, रूस ने सबकुछ तबाह कर दिया

कीव। यूक्रेन पर रूस के लगातार हमलों के बीच जापान पहुंचे राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि बखमुत अब बस हमारे दिलों में है। रूस ने सबकुछ तबाह कर दिया है। एक दिन पहले रूस की निजी सेना वैगनर ने बखमुत पर कब्जे का दावा किया था। रूस के रक्षा मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि निजी सेना वैगनर ने रूसी सैनिकों की मदद से बखमुत पर कब्जा कर लिया है। बखमुत, पूर्वी यूक्रेन का अहम शहर है।

जेलेंस्की इस समय जापान में हैं और हिरोशिमा में आयोजित जी-7 सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से कहा कि अब यह शहर खत्म हो गया है। रूस की सेना ने बखमुत में सबकुछ नष्ट कर दिया है। वैगनर के मुखिया ने दावा किया कि उसने रूस-यूक्रेन युद्ध की सबसे लंबी और सबसे कठिन लड़ाई के बाद बखमुत शहर पर नियंत्रण कर लिया है, लेकिन यूक्रेन के रक्षा अधिकारियों ने इससे इनकार किया।

टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में वैगनर के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने कहा कि शहर दोपहर पूरी तरह से रूसी नियंत्रण में आ गया। उसके साथ लगभग छह लड़ाके थे। वीडियो सामने आने के बाद यूक्रेन की उप रक्षा मंत्री हन्ना मलियार ने कहा कि लड़ाई जारी है। उन्होंने कहा कि स्थिति गंभीर है, अभी तक की स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में कुछ औद्योगिक और बुनियादी सुविधाओं पर हमारे सुरक्षा बलों का नियंत्रण है। यूक्रेन के पूर्वी कमान के

प्रवक्ता सेर्ही चेरेवत्यी ने बताया कि प्रिगोझिन का दावा सच नहीं है। बखमुत में हमारे सैनिक लड़ रहे हैं। बखमुत और उसके आसपास आठ महीने से अधिक समय से लड़ाई चल रही है।

यदि रूसी सेनाओं ने बखमुत पर नियंत्रण कर लिया है, तो उन्हें अभी भी यूक्रेन के नियंत्रण वाले डोनेत्स्क क्षेत्र के शेष हिस्से को अपने नियंत्रण में करने का बड़ा कार्य करना शेष होगा।

अधिक खूंखार होते म्यांमार के गृह युद्ध में बढ़ता जा रहा है सेना का दमन

ढाका। म्यांमार में जारी गृह युद्ध के दौरान सेना की तरफ से खूनी हमलों के नए ब्योरे सामने आए हैं। एक ऐसी घटना की जानकारी सामने आई है, जिसमें सेना की हवाई बमबारी से लगभग 170 नागरिकों की मौत हो गई। उनमें कई बच्चे भी थे। यह घटना उत्तर-पश्चिमी सगायंग क्षेत्र के एक गांव में हुई। बीते 11 अप्रैल को हुई वायु सेना के विमानों ने ज्यादा मौतें नहीं हुई हैं, जितनी 11 अप्रैल को हुईं। सेना की कमेटी-स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल (एसएसी) देश का शासन चला रही है। विश्लेषकों ने कहा है कि विद्रोही गुटों की बढ़ती ताकत के

बीच ऐसा लगता है कि एसएसी के दमनकारी तेवर और तीखे हो गए हैं। बीते कुछ महीनों के दौरान म्यांमार की वायु सेना अपने हेलीकॉप्टरों से ग्रामीण इलाकों में गोलीबारी भी करती रही है। इस दौरान अस्पताल, चर्च और विस्थापित लोगों के शिविरों को भी निशाना बनाया गया है। हेलीकॉप्टरों से राइफलों के जरिए गोलियां दागी गई हैं और हथगोले फेंके गए हैं। एशिया टाइम्स के मुताबिक मध्य म्यांमार में कई स्थानों से वायु सेना की ऐसी कार्रवाइयों की खबरें मिली हैं।

इस बीच खबर है कि विद्रोही गुट पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) ने भी बड़े पैमाने ऑटोमैटिक राइफल जैसे हथियार हासिल किए हैं। नस्लीय अल्पसंख्यक नियंत्रित सीमाई क्षेत्रों में पीडीएफ पहले से मजबूत था। लेकिन ताजा खबर यह है कि पीडीएफ का असर बहुसंख्यक बामर समुदाय की रिहाइस वाले सगायंग, माग्वे और बागो जैसे इलाकों में भी बढ़ा है। इस वजह से इन क्षेत्रों में म्यांमार की सेना के जवाबी हमले भी तेज हो गए हैं। विद्रोहियों को जो हथियार हाल में मिलने की खबर है, उनमें चीन में बनी टाइप-56 असॉल्ट राइफलें और कुछ ऐसे हथियार शामिल हैं, जिनका पहले चीन की सेना इस्तेमाल करती थी। बागियों के पास छोटे आकार के 5.56 एमएस तोपें भी हैं। बताया जाता है कि उन्होंने अमेरिका में बनी एम-4 कारबाइनें, जर्मनी में तैयार एचके-33 राइफलें आदि भी हासिल कर ली हैं। इन कारणों से विद्रोही गुटों के हमलों की भी मारक क्षमता बढ़ गई है।

विद्रोही गुटों की ताकत बढ़ने से सरकार से असंतुष्ट जन समुदायों में उनकी साख बढ़ी है। थाईलैंड से लगे सीमाई इलाकों में असर रखने वाले उग्रवादी संगठन करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी, उत्तरी राज्य कवाह में सक्रिय करेनी आर्मी और भारत से लगी सीमा पर सक्रिय चिन नेशनल आर्मी ने पीडीएफ से तालमेल बना लिया है। मध्य इलाकों में सेना की जवाबी कार्रवाई से भागे पीडीएफ के लड़ाकों को इन तमाम इलाकों में पनाह मिल रही है। इन सबसे विद्रोही समूहों की ताकत बढ़ी है। इससे बौखलाए सैनिक शासन ने दमन तेज कर दिया है, जिसका निशाना निहत्थे नागरिक भी बन रहे हैं।

सराफा बाजार- सोना उछला, चांदी में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज भारतीय सराफा बाजार में तेजी का रुख बना रहा। आज के कारोबार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं में तेजी बनी हुई हैं। सराफा बाजार में आज की तेजी के कारण सोना एक बार फिर 61 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब पहुंच गया है। वहीं चांदी आज 72 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार करने में सफल रहा है। आज के कारोबार में सोना ने प्रति 10 ग्राम 485 रुपये की तेजी दिखाई।

इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज प्रति किलोग्राम 300 रुपये से अधिक की मजबूती दर्ज की गई। बाजार में आई तेजी के कारण सोना आज के कारोबार में 60,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच कर कारोबार करने लगा। इसी तरह चांदी ने भी आज 72,095 रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर हासिल कर लिया। इसके पहले पिछले कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को सोना का अंतिम बंद भाव 60,275 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। आज के कारोबार में इस चमकीली धातु में प्रति 10 ग्राम 485 रुपये की तेजी दर्ज की गई। अलग-अलग श्रेणियों में सोने ने आज 485 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 284 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दिखाई।

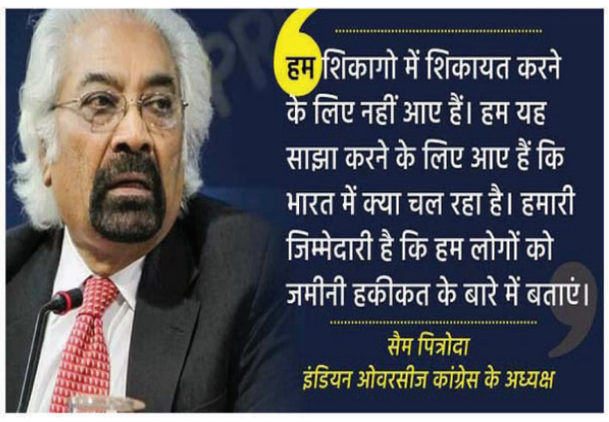

राहुल की अमेरिकी यात्रा का पित्रोदा ने बताया मकसद, कहा- लोकतंत्र के साझा मूल्यों को बढ़ावा देना उद्देश्य

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जून में संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान जनसभाओं को संबोधित करने और विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है। उनकी यात्रा को लेकर कांग्रेस के इंडियन ओवरसीज अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि राहुल की अमेरिका की यात्रा का मकसद 'वास्तविक लोकतंत्र' के साझा मूल्यों को बढ़ावा देना है।

पित्रोदा ने बताया कि राहुल गांधी का सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जाने का कार्यक्रम है, जहां वह भारतीय अमेरिकियों की दो बैठकों को संबोधित कर सकते हैं। साथ ही संसद भवन में सांसदों और थिंक टैंक के सदस्यों से मुलाकात कर सकते हैं वहीं, विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत कर सकते हैं। बता दें, इन कार्यक्रमों को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस आयोजित कर रहा है।

शिकागो में बोले पित्रोदा

गौरतलब है, पित्रोदा कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस को मिली जीत की खुशी में आयोजित एक कार्यक्रम को शिकागो में संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन समुदाय के नेता इफ्तिकार शेरिफ और 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस-यूएसए' ने किया था।

हम यहां शिकायत करने नहीं आए- इस दौरान कांग्रेस के

पूर्व अध्यक्ष की अमेरिकी यात्रा के मकसद तथा एजेंडा के बारे में ब्योरा देते हुए पित्रोदा ने कहा कि हम यहां शिकायत करने के लिए नहीं आए हैं।

हम यह साझा करने के लिए आए हैं कि भारत में क्या चल रहा है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोगों को जमीनी हकीकत के बारे में बताएं।

किसी से मदद के लिए नहीं कह रहे

उन्होंने शिकागो में कांग्रेस समर्थकों के एक समूह से कहा कि हम किसी से आने और मदद करने के लिए नहीं कह रहे। हम समस्याओं से निपट सकते हैं। हम आपके साथ साझा करना चाहते हैं कि किस चीज की जरूरत है।

यात्रा का मकसद संपर्क बनाना

उन्होंने एक बयान में कहा कि राहुल गांधी की यात्रा का मकसद संपर्क बनाना, विभिन्न लोगों से बातचीत करना, संस्थाओं तथा मीडिया के साथ वार्ता करना है। इनमें भारतीय समुदाय भी शामिल है, जिनकी संख्या अमेरिका में तथा विदेशों में बढ़ रही है। इस दौरान वह विश्व भर में स्वतंत्रता, समावेश, स्थिरता, न्याय, शांति आदि पर केंद्रित वास्तविक लोकतंत्र के साझा मूल्यों और दृष्टिकोण को बढ़ावा देंगे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।